मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, रविवार, 1 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 6 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 58 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण



तीन हते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ 6

सड़क किनारे महिला का शव मिलने से सनसनी, पति पर हत्या का आरोप

गोमिया के कुंदा पंचायत में सुनसान जगह पर मिला 38 वर्षीय नीलू देवी का शव, अवैध संबंध के विरोध पर प्रताड़ित करने का आरोप

संवाददाता

बोकारो: जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत कुंदा पंचायत में रविवार को एक महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। खखड़ा और जागेश्वर बिहार थाना क्षेत्र के डाकासाडम जाने वाली मुख्य सड़क के बीच सुनसान स्थान पर शव बरामद किया गया। मृतका की पहचान चोरगांवा निवासी महेंद्र कुमार मंडल की 38 वर्षीय पत्नी नीलू देवी के रूप में हुई है।



घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना जागेश्वर बिहार पुलिस को दी। सूचना पर थाना प्रभारी प्रकाश यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।

पिता ने दामाद पर लगाया हत्या का आरोपः महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और हंगामा किया। मृतका के पिता रामेश्वर मंडल ने थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए अपने दामाद महेंद्र कुमार मंडल पर हत्या का आरोप लगाया है।

पिता के अनुसार, करीब 26 वर्ष पहले नीलू देवी की शादी महेंद्र मंडल से हुई थी। दोनों के चार बेटे हैं। बड़ा बेटा दीपक कुमार शादीशुदा है और बिहारशरीफ में रहकर काम करता है, जबकि तीन नाबालिग बेटे घर पर ही रहते हैं।

रामेश्वर मंडल का आरोप है कि पिछले तीन-चार वर्षों से महेंद्र मंडल का गांव की ही एक महिला के साथ अवैध संबंध था। नीलू देवी इसका विरोध करती थीं, जिसके कारण उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों को आशंका है कि इसी विवाद में उनकी हत्या की गई है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा मौत का कारणः थाना प्रभारी प्रकाश यादव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पुलिस हत्या और हादसे समेत सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

रामगढ़ की स्टील फैक्ट्री में एक के बाद एक चार धमाके, कई किलोमीटर तक गूंजी आवाज

मायल गांव स्थित शिवाय आयरन एंड स्टील फैक्ट्री की भट्ठी में विस्फोट से मचा हड़कंप, मजदूरों के घायल होने की आशंका

रामगढ़: जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र के मायल गांव स्थित शिवाय आयरन एंड स्टील प्राइवेट लिमिटेड में रविवार सुबह अचानक जोरदार धमाकों से हड़कंप मच गया। फैक्ट्री की भट्ठी में एक के बाद एक तीन से चार विस्फोट हुए। धमाकों की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के गांवों में दहशत फैल गई।

घटना सुबह करीब सात बजे की बताई जा रही है। विस्फोट के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए और घटना की जानकारी लेने के लिए फैक्ट्री की ओर पहुंचने लगे।

भट्ठी में हुए विस्फोट के दौरान कुछ मजदूरों के घायल होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, घायलों की संख्या और उनकी स्थिति की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। विस्फोट किन परिस्थितियों में हुआ और इसके पीछे क्या कारण रहे, इसकी जानकारी भी फिलहाल सामने नहीं आई है।



पुलिस कर रही मामले की जांचः रजरप्पा थाना प्रभारी के अनुसार, फैक्ट्री की भट्ठी में विस्फोट होने की सूचना पुलिस को मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। विस्फोट के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा

हाथियों का स्कूल में उत्पात, खिड़कियां तोड़ीं, सामान किया क्षतिग्रस्त

विद्यालय के कार्यालय और कक्षाओं में की तोड़फोड़, वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग



संवाददाता

हजारीबाग: जिले के दारू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक राजकीय मध्य विद्यालय में जंगली हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने विद्यालय की खिड़कियां तोड़ दीं और कमरों में रखे सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना से विद्यालय को काफी नुकसान हुआ है। हाथियों के लगातार बढ़ते उत्पात से ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को विद्यालय संचालन के लिए जब कार्यालय का ताला खोला गया, तो हाथियों की ओर से की गई तोड़फोड़ का पता चला। विद्यालय के कार्यालय समेत अन्य कक्षाओं की खिड़कियां टूटी हुई थीं। कमरों में रखे सामान भी क्षतिग्रस्त मिले। घटना के बाद विद्यालय प्रशासन में चिंता का माहौल है।

विद्यालय प्रशासन ने घटना की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देते हुए आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। साथ ही वन विभाग से क्षेत्र में हाथियों के उत्पात पर रोक लगाने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की अपील की है। हाथियों के लगातार आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंचने से ग्रामीणों में भय बना हुआ है।

गुलामी के काले इतिहास पर ब्रिटिश पीएम का बयान, बोले- माफी मांगेंगे, मुआवजा नहीं देंगे

एंडी बर्नहम ने कॉमनवेल्थ समिट से पहले लेख के जरिए स्पष्ट किया सरकार का रुख सदियों पुराने अन्याय के लिए मौजूदा पीढ़ी को जिम्मेदार ठहराने से किया इनकार

लंदन : गुलामों के व्यापार और ब्रिटेन के औपनिवेशिक इतिहास को लेकर प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने अहम बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि ब्रिटेन अपने अतीत में हुए गुलामों के व्यापार और उससे जुड़ी क्रूरता के लिए खुले दिल से माफी मांगने को तैयार है, लेकिन इसके लिए किसी तरह का आर्थिक मुआवजा नहीं देगा। कॉमनवेल्थ समिट में शामिल होने से पहले एक लेख के माध्यम से उन्होंने अपनी सरकार का रुख स्पष्ट किया।



बर्नहम ने कहा कि गुलामी और उससे जुड़े अत्याचारों का दर्द आज भी प्रभावित समुदायों के बीच महसूस किया जाता है। अतीत में लोगों के साथ हुई बर्बरता के जख्म अब तक नहीं भरे हैं। इस पीड़ा को समझना और स्वीकार करना जरूरी है। हालांकि, उन्होंने आर्थिक मुआवजे की मांग को समाधान मानने से इनकार कर दिया। उनका तर्क है कि आज के ब्रिटिश नागरिकों को सदियों पहले हुई घटनाओं के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक, एक अन्याय की भरपाई दूसरे अन्याय से नहीं की जा सकती।

गुलामी के इतिहास को लेकर ब्रिटेन में यह बयान ऐसे समय आया है, जब किंग चार्ल्स कैरेबियाई देशों के दौरे पर हैं। बहामास यात्रा के दौरान उन्होंने ब्रिटिश शासनकाल में गुलामी के कारण जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी और इस काले इतिहास का उल्लेख किया। ब्रिटेन की ओर से अब तक इस मुद्दे पर औपचारिक माफी नहीं मांगी गई है। हालांकि, गुलामों के व्यापार से ब्रिटेन को हुए आर्थिक लाभ और इसके ऐतिहासिक प्रभावों को लेकर बहस जारी है।

ब्रिटेन का पक्ष रहा है कि गुलामों के व्यापार से देश को आर्थिक लाभ जरूर हुआ, लेकिन बाद में इस प्रथा को समाप्त करने में भी उसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्ष 1833 में ब्रिटिश संसद ने गुलामी समाप्त करने के लिए कानून पारित किया था।

इस बीच, ब्रिटिश प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के जल्द भारत दौरे पर आने की संभावना भी जताई गई है। भारत में कार्यवाहक ब्रिटिश उच्चायुक्त बेन मेलर ने बताया कि बर्नहम भारत आने के इच्छुक हैं। दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी को देखते हुए उनकी यात्रा जल्द संभव हो सकती है। मेलर के अनुसार, प्रधानमंत्री पद संभालने के तुरंत बाद बर्नहम की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत हुई थी। इस दौरान उन्होंने भारत आने की इच्छा जाहिर की थी। ब्रिटिश उच्चायुक्त ने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में यह दौरा साकार हो सकेगा।

होटल के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस से चार की मौत, बचाव में तीन पुलिसकर्मी घायल

उज्जैन के होटल श्रीगंगा में हादसा, ढाई घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद निकाले गए शव, परिजनों ने मांगा एक-एक करोड़ मुआवजा

उज्जैनः मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित शहर के पुराने होटल श्रीगंगा में शनिवार रात टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य कर्मचारी की हालत गंभीर है। बचाव अभियान के दौरान तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल के वेस्टेज टैंक की सफाई के लिए चार कर्मचारी चेंबर में उतरे थे। इसी दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। मृतकों में होटल के दो कर्मचारी और दो निजी सफाईकर्मी शामिल हैं। एक अन्य कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर, एसपी और प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची। चेंबर से शवों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। रेस्क्यू टीम ने कटर से टैंक के अतिरिक्त चैंबर और टीन शेड को काटकर करीब ढाई घंटे तक अभियान चलाया। इसके बाद शवों को बाहर निकाला जा सका। परिजनों ने होटल संचालक पर लगाया लापरवाही का आरोपः हादसे के बाद मृतकों के परिजनों ने होटल संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रत्येक पीड़ित परिवार को एक-एक करोड़ रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।



स्थानीय युवक आसिफ खान ने बताया कि रात करीब 12 बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि उनके मामा टैंक में गिर गए हैं। घटनास्थल पर पहुंचने पर उनकी मौत की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि उनके मामा होटल में ओवरटाइम करने गए थे। उनके चार बच्चे हैं। परिजनों ने परिवार के लिए उचित मुआवजे की मांग की है। एक अन्य युवक ने आरोप लगाया कि कर्मचारियों को बिना पर्याप्त जानकारी और सुरक्षा इंतजाम के सफाई कार्य में लगाया गया था। उन्हें केवल कचरा निकालने के लिए कहा गया था। इसी दौरान पैर फिसलने से उनके भाई भी चेंबर में गिर गए और उनकी मौत हो गई।

महापौर ने जांच और कार्रवाई का दिया निर्देशः घटना के बाद महापौर मुकेश टटवाल पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे। उन्होंने हादसे पर दुख जताते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिया। महापौर ने कहा कि नगर निगम को सूचना दिए बिना और सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर टैंक की सफाई कराना गंभीर लापरवाही है। उन्होंने अधिकारियों को मामले की त्वरित जांच करने और जिम्मेदार होटल संचालक या संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही पीड़ित परिवारों के पुनर्वास और सहायता सुनिश्चित करने को कहा।

पुलिस लाइन में जुआ खेलते पकड़े गए 10 पुलिसकर्मी निलंबित



मेट्रो रेज

रांचीः रांची पुलिस लाइन परिसर में जुआ खेलने और खिलाने के आरोप में 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इन जवानों पर पुलिस की वर्दी की मयार्दा और विभागीय अनुशासन को ताक पर रखकर जुए में शामिल होने का आरोप है। निलंबन के साथ ही सभी के खिलाफ विभागीय जांच और नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से पुलिस लाइन परिसर में ही कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा अवैध रूप से जुआ खेलने और खिलाने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शनिवार को वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। इसके बाद पुलिस लाइन परिसर में अचानक छापेमारी की गई।

इस दौरान निर्धारित स्थान पर घेराबंदी कर 10 पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर जुआ खेलते हुए रंगेहाथ पकड़ लिया गया।

मामले में सार्जेंट मेजर आनंद राज खलखो ने बताया कि पुलिस लाइन में जुआ खेलने का मामला सामने आने के बाद संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। सभी को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

एसआईआर के विरोध में विपक्ष का शक्ति प्रदर्शन रामलीला मैदान में जुटे हजारों कार्यकर्ता

राहुल गांधी, खड़गे, अखिलेश और ममता बनर्जी समेत 20 से अधिक दलों के नेता होंगे शामिल, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली: राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में रविवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक की ओर से एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के विरोध में महारैली आयोजित की जा रही है। सुबह से ही विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों का मैदान में पहुंचना शुरू हो गया है। रैली में 20 से अधिक विपक्षी दलों के शीर्ष नेता एक मंच पर जुटकर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। कांग्रेस ने दावा किया है कि रैली में 10 लाख से अधिक लोग शामिल होंगे।



राहुल गांधी, खड़गे, अखिलेश और ममता बनर्जी करेंगे संबोधितः महारैली के जरिये विपक्षी दल एकजुटता का संदेश देने की तैयारी में हैं। रैली को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी समेत कई वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। नेता चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता का मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करेंगे।

25 दिनों में सातवीं बार एकजुट हुआ विपक्षः रैली का प्रमुख एजेंडा एसआईआर का विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग है। विपक्षी दलों का आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था में चुनावी निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पिछले 25 दिनों में विपक्षी दलों की यह सातवीं बड़ी साझा लामबंदी है। इससे पहले छह से 13 अक्टूबर के बीच इस मुद्दे पर छह अलग-अलग प्रदर्शन किए गए थे।

कॉकरोच जनता पार्टी ने रैली से बनाई दूरीः कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि उनका संगठन वोट चोरी और चुनावी विसंगतियों के खिलाफ संघर्ष कर रहे लोकतांत्रिक समूहों को नैतिक समर्थन देता है। हालांकि, संगठन के गैर-राजनीतिक स्वरूप का हवाला देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी आधिकारिक तौर पर रैली के मंच पर शामिल नहीं होगी।

दिल्ली पुलिस ने रामलीला मैदान और आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए कई मार्गों पर रूट डायवर्जन भी लागू किया गया है।

नवंबर की शुरूआत में महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर, 11.50 रुपये तक बढ़े दाम

नई दिल्ली: नए महीने और त्योहारी सीजन की शुरूआत के साथ ही कारोबारियों की जेब पर महंगाई का एक और बोझ बढ़ गया है। एक नवंबर से 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी गई है। इससे होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों की लागत बढ़ेगी। देश के प्रमुख महानगरों में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 10 से 11.50 रुपये तक बढ़ाए गए हैं। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में इसकी कीमत में 10 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जबकि चेन्नई में सिलेंडर 11.50 रुपये महंगा हुआ है। दिल्ली में 2820 रुपये पहुंची कीमतः नई दरों के अनुसार, दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 2820 रुपये हो गई है। मुंबई में इसकी कीमत 2774.50 रुपये, कोलकाता में 2964 रुपये और चेन्नई में 2994.50 रुपये पहुंच गई है। वहीं, बेंगलुरु में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2908 रुपये हो गई है।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में बदलाव नहीं: कमर्शियल सिलेंडर के दाम बढ़ने के बीच घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिली है। 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसकी दरें पहले की तरह स्थिर बनी हुई हैं। कमर्शियल सिलेंडर की नई दरें एक नवंबर से लागू हो गई हैं।

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा आज, 10 साल बाद खत्म होगा इंतजार, 5.65 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा आज, 10 साल बाद खत्म होगा इंतजार, 5.65 लाख अभ्यर्थी होंगे शामिल

संवाददाता

रांचीः झारखंड में शिक्षक बनने का सपना देख रहे लाखों अभ्यर्थियों का करीब 10 साल का लंबा इंतजार आखिरकार खत्म हो रहा है। रविवार, एक नवंबर को राज्य में झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटीईटी) आयोजित की जा रही है। परीक्षा के लिए राज्यभर से कुल 5,65,916 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा के सफल और निष्पक्ष संचालन के लिए सभी 24 जिलों में 986 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

हाल की भर्ती परीक्षाओं में सामने आई गड़बड़ियों को देखते हुए प्रशासन ने इस बार सुरक्षा और निगरानी के व्यापक इंतजाम किए हैं। मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त बनाने के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सभी जिलों के उपायुक्तों को भी विशेष रूप से सतर्क रहने को कहा गया है।

परीक्षा के साथ प्रशासन का भी होगा इम्तिहानः जेटीईटी का आयोजन केवल अभ्यर्थियों के लिए ही नहीं, बल्कि प्रशासन के लिए भी बड़ी चुनौती है। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए परीक्षा केंद्रों के अलावा स्ट्रॉन्ग रूम, सीसीटीवी कैमरों, साइबर सेल, यातायात व्यवस्था, अग्निशमन सेवाओं और सदर अस्पतालों की आपातकालीन व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है। संवेदनशील इलाकों में निषेधाज्ञा लागू करने की भी तैयारी है।

साइबर सेल को सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेपर लीक या फर्जी प्रश्नपत्र के नाम पर अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दूसरे जिलों और राज्यों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के पहुंचने की संभावना को देखते हुए होटलों की भी सघन जांच की जा रही है।

मेटल डिटेक्टर से होगी जांच, पांच जिलों को मिले 112 उपकरणः परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली जाएगी। प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल और नकल की आशंका को खत्म करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने पांच जिलों को कुल 112 हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर उपलब्ध कराए हैं।

इनमें रांची को सबसे अधिक 50 मेटल डिटेक्टर दिए गए हैं। इसके अलावा धनबाद को 25, पाकुड़ को 12, जामताड़ा को 12 और पश्चिमी सिंहभूम के चाईबासा को 13 मेटल डिटेक्टर उपलब्ध कराए गए हैं। प्रवेश के दौरान मोबाइल फोन समेत अन्य प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

दो पालियों में होगी परीक्षा, प्रवेश का समय निर्धारितः झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। पहली पाली



कक्षा छह से आठवीं तक के अभ्यर्थियों के लिए निर्धारित है, जबकि दूसरी पाली में कक्षा एक से पांचवीं तक के अभ्यर्थी शामिल होंगे।

- पहली पालीः सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक। प्रवेश सुबह 7:30 बजे से शुरू होगा। सुबह 9 बजे मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा।
- **दूसरी पालीः** दोपहर 2 बजे से शाम 4:30 बजे तक। प्रवेश दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक मिलेगा। इसके बाद मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा।

अभ्यर्थियों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचने की सलाह दी गई है।

ओएमआर शीट भरने में बरतें सावधानीः जेटीईटी का आयोजन ओएमआर शीट के माध्यम से किया जाएगा। अभ्यर्थियों को भाषा, विषय और श्रेणी से संबंधित विवरण भरते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी। इन जानकारियों में गलती होने पर सुधार का अवसर नहीं मिलेगा।

परिषद ने स्पष्ट किया है कि ओएमआर शीट में किसी भी तरह की अनुचित गतिविधि या छेड़छाड़ पाए जाने पर अभ्यर्थी की उम्मीदवारी तत्काल रद्द की जा सकती है। इसलिए परीक्षा के दौरान सभी निदेर्शों का पालन करना अनिवार्य होगा।

मोबाइल, स्मार्टवॉच और किताबें ले जाने पर रोकः परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, स्मार्टवॉच, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ और किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा बैग, पाउच, पर्स, किताबें और नोट्स भी प्रतिबंधित रहेंगे।

अभ्यर्थियों को ध्यान रखना होगा कि परीक्षा केंद्रों पर प्रतिबंधित सामान रखने की कोई आधिकारिक व्यवस्था नहीं होगी। इसलिए ऐसे सामान लेकर केंद्र पर नहीं पहुंचें।

प्रवेश पत्र और फोटो पहचान पत्र अनिवार्यः परीक्षा में शामिल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र का स्पष्ट प्रिंटआउट साथ रखना होगा। इसके अलावा आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी में से किसी एक मूल फोटो पहचान पत्र को भी साथ ले जाना अनिवार्य है।

ओएमआर शीट भरने के लिए पारदर्शी बॉडी वाला बॉलपॉइंट पेन लेकर जाना होगा। परीक्षा केंद्र के लिए निकलने से पहले प्रवेश पत्र पर दर्ज केंद्र का पता, परीक्षा की पाली और रिपोर्टिंग समय की जांच अवश्य कर लें।

दिव्यांग अभ्यर्थियों को मिलेगा 30 मिनट अतिरिक्त समयः परीक्षा में शामिल होने वाले दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। दृष्टिबाधित, सेरेब्रल पाल्सी और दोनों हाथों से दिव्यांग अभ्यर्थियों को नियमानुसार 30 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। निर्धारित पात्रता और शर्तें पूरी करने वाले अभ्यर्थियों को श्रुतिलेखक की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

परेशानी होने पर इन हेल्पलाइन नंबरों पर करें संपर्कः अभ्यर्थियों की समस्याओं और परीक्षा से संबंधित जानकारी के लिए झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने विशेष कंट्रोल रूम बनाया है। यह कंट्रोल रूम 31 अक्तूबर और एक नवंबर को सुबह सात बजे से शाम सात बजे तक सक्रिय रहेगा।

हेल्पलाइन नंबरः 7485093436, 7485093437 और 7485093440।

पुलिस अधीक्षकों को भी सतर्क रहने का निर्देशः परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है। उन्हें आवश्यकता के अनुसार वाहनों और पुलिसकर्मियों की ड्यूटी निर्धारित करने को कहा गया है। पुलिस प्रशासन परीक्षा केंद्रों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने में जुटा है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की सहयोग की अपीलः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जेटीईटी को शांतिपूर्ण, स्वच्छ और कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए आम लोगों से सहयोग की अपील की है। उन्होंने परीक्षार्थियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आम नागरिकों से राज्यहित में आगे आने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षा की पवित्रता बनाए रखने के साथ झारखंड की गरिमा की रक्षा करना हम सभी का साझा दायित्व है। राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए परीक्षाओं का निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन जरूरी है।

कदाचार करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाईः मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि परीक्षा में किसी भी स्तर पर अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने या कराने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अपने दायित्वों का निर्वहन नहीं करने वाले लापरवाह कर्मचारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे मामलों में झारखंड प्रतियोगी परीक्षा अधिनियम, 2023 के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित पक्षों से ईमानदारी और निष्ठा के साथ सहयोग करने की अपील की है।

लोहरदगाः छात्रा की मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई कस्तूरबा विद्यालय की वार्डन की संविदा सेवा समाप्त

किस्को में सातवीं की छात्रा की मौत के बाद प्रशासन का फैसला, समय पर इलाज नहीं कराने और अस्पताल पहुंचाने में देरी का आरोप

संवाददाता

लोहरदगाः जिले के किस्को स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में सातवीं कक्षा की छात्रा सुनीता लोहरा की 13 अक्तूबर को हुई आकस्मिक मृत्यु के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। प्रशासन ने विद्यालय की तत्कालीन वार्डन संगीता साहू की संविदा सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी है।

छात्रा की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे समय पर चिकित्सीय सहायता उपलब्ध कराने और अस्पताल पहुंचाने में देरी समेत कई गंभीर लापरवाहियां सामने आई थीं। जिला चयन समिति की बैठक में वार्डन के स्पष्टीकरण की समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया।

13 अक्तूबर को हुई थी छात्रा की मौतः किस्को स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में रहकर



पढ़ाई करने वाली सातवीं कक्षा की छात्रा सुनीता लोहरा का 13 अक्तूबर को असमय निधन हो गया था। घटना के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और समीक्षा शुरू की थी। छात्रा की देखरेख, सुरक्षा और तबीयत बिगड़ने के बाद उपलब्ध कराई गई चिकित्सीय सहायता से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की गई।

वार्डन का स्पष्टीकरण असंतोषजनक, जिम्मेदारी निभाने में मिली लापरवाहीः उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार मीणा की अध्यक्षता में जिला चयन समिति की बैठक हुई। इसमें तत्कालीन वार्डन संगीता साहू की ओर से दिए गए स्पष्टीकरण की विस्तार से समीक्षा की गई। समिति ने उनके जवाब को असंतोषजनक पाया।

समीक्षा के दौरान छात्रा की देखरेख और सुरक्षा के प्रति अभिभावक के समान निर्धारित जिम्मेदारियों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही सामने आई। छात्रा की तबीयत बिगड़ने पर उसे समय पर चिकित्सीय सहायता नहीं मिली। इसके अलावा अस्पताल पहुंचाने में भी विलंब किया गया।

जांच में विभागीय दिशा-निदेर्शों की अवहेलना किए जाने की बात भी सामने आई। इन सभी बिंदुओं पर विचार करने के बाद जिला चयन समिति ने वार्डन की संविदा सेवा समाप्त करने का निर्णय लिया। इसके आधार पर प्रशासन ने उनकी सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया।

छात्राओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकताः जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आवासीय विद्यालयों में पढ़ने वाली छात्राओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और समुचित देखभाल सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन जिम्मेदारियों के निर्वहन में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि

समाहरणालय सभागार में हुआ पुष्पांजलि कार्यक्रम, अधिकारियों और कर्मियों ने एकता-अखंडता बनाए रखने का लिया संकल्प

संवाददाता

लातेहारः राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को समाहरणालय सभागार में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान उपायुक्त संदीप कुमार ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय एकजुटता बनाए रखने का संकल्प लिया।

मौके पर उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल का जीवन और उनके आदर्श देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने अपने दृढ़ नेतृत्व और दूरदर्शिता से देश को एक सूत्र में पिरोने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता



दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के प्रति अपने दायित्वों का स्मरण कराता है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करना हम सभी का दायित्व है।देश की प्रगति और विकास के लिए आपसी सद्भाव और एकजुटता बेहद जरूरी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मियों ने सरदार पटेल के योगदान को याद करते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

12 घंटे के मजदूर आंदोलन के बाद प्रबंधन झुका, बकाया वेतन समेत सभी मांगों पर लिखित समझौता

इरबा की जे-1 कपड़ा फैक्ट्री में मजदूरों को मिलेगा बकाया वेतन, नियुक्ति पत्र और पीएफ-ईएसआई की सुविधा देवेन्द्र नाथ महतो बोले- मजदूरों का शोषण बर्दाश्त नहीं करेंगे

मेट्रो रेज

मुरीः रांची के इरबा स्थित एसके मैन्युफैक्चरर/जे-1 कपड़ा फैक्ट्री में मजदूरों के बकाया वेतन और श्रमिक अधिकारों की मांग को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो के नेतृत्व में लगातार 12 घंटे आंदोलन किया गया। इसमें जेएलकेएम के पदाधिकारियों, कार्यकताओं और सैकड़ों मजदूरों ने हिस्सा लिया।

आंदोलन के दौरान कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मजदूरों के शोषण, तीन से चार महीने का वेतन बकाया रहने, नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र, वेतन पर्ची, पीएफ, ईएसआई और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुविधाओं के अभाव को लेकर जोरदार विरोध दर्ज कराया गया। लगातार 12 घंटे चले आंदोलन के बाद देर रात कंपनी प्रबंधन की ओर से प्रबंधक आदर्श तिवारी के साथ वार्ता हुई। वार्ता के बाद मजदूरों की प्रमुख मांगों पर लिखित समझौता हुआ। इसके बाद आंदोलन स्थगित कर दिया गया।

बकाया वेतन का भुगतान 4 से 5 नवंबर तकः लिखित समझौते के अनुसार, सितंबर 2026 तक का संपूर्ण बकाया वेतन 4 से 5 नवंबर 2026 तक सभी मजदूरों को दिया जाएगा। इसमें वर्तमान में कार्यरत मजदूरों के साथ नौकरी छोड़ चुके कर्मचारी भी शामिल होंगे।

अक्टूबर 2026 का वेतन 15 नवंबर तक भुगतान करने पर सहमति बनी है। आगे से प्रत्येक महीने की 10 तारीख तक सभी मजदूरों का वेतन भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा।

एक महीने में मिलेंगे नियुक्ति और पहचान पत्रः समझौते के अनुसार, एक महीने के अंदर सभी मजदूरों को नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र और वेतन पर्ची उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा पात्रता के अनुसार पीएफ और ईएसआई की सुविधा भी सुनिश्चित की जाएगी।

साप्ताहिक अवकाश और अतिरिक्त काम पर दोगुना भुगतानः मजदूरों को सप्ताह में एक दिन अवकाश देने पर सहमति बनी है। छुट्टी के दिन काम कराने या निर्धारित आठ घंटे से अधिक काम लेने की स्थिति में समझौते के अनुसार दोगुना भुगतान किया जाएगा।

कौशल के आधार पर होगी वेतन वृद्धि और पदोन्नतिः श्रम विभाग के निर्धारित नियमों और लागू प्रावधानों के अनुसार मजदूरों को उनके कौशल और कार्यक्षमता के आधार पर पदोन्नति एवं वेतन वृद्धि दी जाएगी। इसके तहत अनस्किल्ड से सेमी-स्किल्ड, सेमी-स्किल्ड से स्किल्ड और स्किल्ड से हाईली स्किल्ड श्रेणी में पदोन्नति का प्रावधान किया जाएगा।

आंदोलनकारियों पर नहीं होगी कार्रवाईः आंदोलन में शामिल किसी भी मजदूर या कार्यकर्ता को चिह्नित कर प्रतिशोध की भावना से नौकरी से हटाने, प्रताड़ित करने या किसी तरह की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने पर भी सहमति बनी है।

इसके अलावा आंदोलन के दौरान कंपनी के पदाधिकारियों की ओर से एक वाहन का मोबाइल तोड़े जाने के मामले में प्रबंधन ने नया मोबाइल उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है।

आंदोलन में जेएलकेएम के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ महतो, अल्पसंख्यक मोर्चा के केंद्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद साकिर अंसारी, शाबिर अंसारी, आदिल अनवर, रांची जिला केंद्रीय महासचिव मार्सल महतो, बिराट महतो, जिला सचिव गजेंद्र महतो, रांची जिला वरीय उपाध्यक्ष रिहान अंसारी, प्रवक्ता महावीर साहू, ओरमांझी प्रखंड अध्यक्ष रामसेवक महतो समेत कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सैकड़ों मजदूर शामिल हुए।

जेटेट परीक्षा : पहली पाली शांतिपूर्ण संपन्न, दूसरी पाली की तैयारी

986 केंद्रों पर आयोजित हो रही परीक्षा, 5.65 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना



संवाददाता

रांची: झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) रविवार को राज्यभर के 986 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। परीक्षा की पहली पाली शांतिपूर्ण संपन्न हो गई। झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) को विभिन्न जिलों से मिली रिपोर्ट के अनुसार, कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। अब दूसरी पाली की परीक्षा की तैयारी की जा रही है।

पहली पाली में कक्षा छह से आठ तक के शिक्षकों की पात्रता के लिए परीक्षा आयोजित की गई। वहीं, दूसरी पाली में कक्षा एक से पांच तक के शिक्षकों की पात्रता के लिए अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

राज्य में करीब 10 वर्षों बाद जेटेट का आयोजन हो रहा है। इस बार परीक्षा में 5.65 लाख से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने की संभावना है। अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या को देखते हुए प्रशासन ने परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

केंद्रों पर उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़, तीन घंटे पहले पहुंचे परीक्षार्थी

कड़ी जांच के बाद मिला प्रवेश, सुरक्षा व्यवस्था के लिए तैनात रहा पुलिस बल

संवाददाता

रांची: झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) को लेकर रविवार को राज्यभर के परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की भारी भीड़ उमड़ी। परीक्षा शुरू होने से करीब ढाई से तीन घंटे पहले ही परीक्षार्थी अपने-अपने केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। लंबे इंतजार के बाद आयोजित हो रही परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

राज्य में करीब 10 वर्षों बाद जेटेट का आयोजन हो रहा है। अभ्यर्थियों की संख्या के लिहाज से इसे राज्य की बड़ी पात्रता परीक्षाओं में शामिल किया जा रहा है। परीक्षा के सफल और शांतिपूर्ण संचालन के लिए प्रशासन की ओर से व्यापक तैयारियां की गई हैं।

दो पालियों में हो रही परीक्षा: जेटेट का आयोजन दो पालियों में किया जा रहा है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र खोजने में परेशानी न हो, इसके लिए केंद्रों के बाहर रोल नंबर और रोल कोड प्रदर्शित किए गए हैं। परीक्षार्थी इनकी मदद से अपने परीक्षा कक्ष और प्रवेश व्यवस्था की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के आसपास चहल-पहल बनी रही।

लोहरदगा की रहने वाली राजमणि उरांव अपनी डेढ़ महीने की बच्ची पिंकी भगत को साथ लेकर परीक्षा देने पहुंचीं। 47 वर्षीय राजमणि देवी स्वयं पारा शिक्षिका हैं। उनका कहना है कि भविष्य में होने वाली शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में शामिल होकर वे पारा शिक्षिका से स्थायी शिक्षिका बनना चाहती हैं।

सघन जांच के बाद मिला प्रवेश: परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। प्रत्येक अभ्यर्थी की जांच के बाद ही उसे अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है। अधिकारी स्वयं भी प्रवेश व्यवस्था और जांच प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं, ताकि परीक्षा के दौरान किसी तरह की गड़बड़ी न हो।

केंद्रों पर तैनात रहा पुलिस बल: परीक्षा के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए माइक से लगातार आवश्यक निर्देश दिए जा रहे हैं। प्रशासन की ओर से प्रवेश, जांच और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

नवीन यूथ क्लब की नई कमेटी गठित, 8 नवंबर को होगा काली पूजा पंडाल का उद्घाटन

चुटिया में बैठक कर पूजा की तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप, 11 नवंबर को हवन और विसर्जन शोभायात्रा





मेट्रो रेज

रांची: राजधानी रांची के चुटिया स्थित नवीन यूथ क्लब, मकचुन्द टोली की बैठक रविवार को शिव हनुमान मंदिर परिसर में हुई। बैठक में इस वर्ष काली पूजा पारंपरिक रीति-रिवाज और मूल पूजा पद्धति के अनुसार धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही पूजा आयोजन को सफल बनाने के लिए पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया।

बैठक में तय कार्यक्रम के अनुसार 8 नवंबर को पूजा पंडाल का उद्घाटन किया जाएगा। 9 नवंबर को महाआरती और प्रसाद वितरण होगा। 10 नवंबर को रात आठ बजे से बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं, 11 नवंबर को हवन के बाद विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी।

नई कमेटी में विक्रम पांडेय को अध्यक्ष, धनंजय सिंह को कार्यकारी अध्यक्ष और विकास कुमार महतो को महासचिव बनाया गया है। अविनाश सिंह को वरीय उपाध्यक्ष, राकेश तिवारी और अविचल सिंह को मुख्य सलाहकार तथा अशोक कुमार महतो और रवि पांडेय को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।

हांशिका सिंह और सूरज महतो को मीडिया प्रभारी बनाया गया है। रवि सिंह, विनोद पांडेय, छविन्द्र सिंह, पितांबर महतो, अजय पांडेय, सुरेश पांडेय, शिव प्रसाद केवट, रोहित महतो सहित अन्य लोगों को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है।इसके अलावा पूजा प्रभारी, पंडाल प्रभारी, संगठन मंत्री, उपाध्यक्ष, सचिव, सलाहकार और कार्यकारिणी सदस्यों की भी जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। बैठक में सदस्यों ने आपसी सहयोग से पूजा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान पेंशन और नौकरी में आरक्षण देने की मांग

लखपति कुमार साव ने राज्यपाल से मांगा मिलने का समय, आयोग के स्थायी गठन की भी उठाई मांग

मेट्रो रेज

रांची: झारखंड अलग राज्य आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारी लखपति कुमार साव ने राज्यपाल से मुलाकात के लिए समय मांगा है। वे राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग का स्थायी गठन करने, चिह्नित आंदोलनकारियों को उचित सम्मान और पेंशन देने तथा उनके आश्रितों को सरकारी नौकरी में आरक्षण उपलब्ध कराने की मांग करेंगे।

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन में लखपति कुमार साव ने कहा है कि झारखंड राज्य के गठन के 26 वर्ष बीत जाने के बावजूद अलग राज्य के लिए संघर्ष करने वाले वास्तविक आंदोलनकारियों को उनका उचित सम्मान और अधिकार नहीं मिल पाया है। कई आंदोलनकारी सम्मान और



सरकारी सुविधाओं की प्रतीक्षा करते हुए दुनिया से विदा हो गए, जबकि जीवित आंदोलनकारी आज भी सरकारी सहायता की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग का गठन किया गया है, लेकिन इसकी कार्यप्रणाली अब तक स्थायी व्यवस्था के तहत संचालित नहीं हो रही है। 77 औपबंधिक सूचियां जारी होने के बावजूद अंतिम सूची तैयार करने, पहचान पत्र जारी करने और पेंशन उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अधूरी है। ज्ञापन में कहा गया है कि झारखंड राज्य के निर्माण के लिए आंदोलनकारियों ने लाठियां खाईं, जेल यात्राएं कीं और अपना जीवन संघर्ष में लगा दिया। इसके बावजूद आज उनके परिवार आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। आंदोलनकारियों को उचित पेंशन या मानदेय नहीं मिल रहा है। उनके बच्चों के लिए सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण की भी ठोस व्यवस्था नहीं है।

लखपति साव ने राज्यपाल से सरकार को आयोग का स्थायी गठन करने, सभी चिह्नित आंदोलनकारियों को अविलंब पहचान पत्र जारी करने तथा उन्हें उचित मान-सम्मान के साथ मासिक पेंशन या मानदेय देने का निर्देश देने का आग्रह किया है। साथ ही शहीद एवं दिवंगत आंदोलनकारियों के आश्रितों तथा जीवित आंदोलनकारियों के बच्चों को सरकारी नौकरी और शिक्षा में आरक्षण देने की मांग की है।

खूंटी में 24 केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से चल रही जेटेट परीक्षा, 11 हजार अभ्यर्थी हो रहे शामिल

उपायुक्त और एसपी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था एवं अभ्यर्थियों की सुविधाओं का लिया जायजा

विनय मिश्रा

खूंटी: झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट)-2026 के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर उपायुक्त मो. जावेद हुसैन और पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने रविवार को जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने बिरसा कॉलेज, खूंटी, लक्ष्मी नारायण हाई स्कूल, मुरहू और सेंट मेरी गर्ल्स हाई स्कूल, मुरहू सहित अन्य केंद्रों पर पहुंचकर परीक्षा संचालन, सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधाओं एवं विधि-व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त एवं एसपी ने केंद्राधीक्षकों तथा प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देशों का सख्ती



से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अभ्यर्थियों की समुचित जांच करने, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अनियमितता एवं कदाचार पर प्रभावी रोक लगाने को कहा।

उपायुक्त ने सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। साथ ही, अभ्यर्थियों को परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखने को कहा। उल्लेखनीय है कि खूंटी जिले में जेटेट-2026 का आयोजन कुल 24 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में किया जा रहा है। परीक्षा में लगभग 11 हजार अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से परीक्षा के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

जेटेट परीक्षा को लेकर सिमडेगा में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था, केंद्रों पर पुलिस की निगरानी

संवाददाता

सिमडेगा: झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट)-2026 के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त आयोजन को लेकर सिमडेगा पुलिस ने जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। रविवार को आयोजित परीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विभिन्न केंद्रों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सिमडेगा सहित अन्य वरीय अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

परीक्षा ड्यूटी में तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिम्मेदारी निभाने का निर्देश दिया गया है। केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश के दौरान प्रवेश पत्र एवं पहचान पत्र का सत्यापन करने के साथ सघन जांच की व्यवस्था की गई है। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ सहित अन्य प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने पर सख्ती से रोक लगाई गई है।

परीक्षा केंद्रों के आसपास विधि-व्यवस्था एवं यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं, मोटरसाइकिल गश्ती दल लगातार निगरानी कर रहे हैं, ताकि



अभ्यर्थियों को आवागमन में परेशानी न हो और अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित किया जा सके।

परीक्षा एवं प्रश्नपत्र से संबंधित भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों और साइबर गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष साइबर सेल का गठन किया गया है। साइबर सेल सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की निगरानी कर रही है। परीक्षा से संबंधित गलत एवं भ्रामक सूचनाएं फैलाने वालों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वरीय पुलिस पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों एवं प्रतिनियुक्ति स्थलों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, प्रथम पाली के सभी अभ्यर्थियों ने परीक्षा केंद्रों में प्रवेश कर लिया है और परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हो रही है।

सिमडेगा पुलिस ने परीक्षा की निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है।

अजीम प्रेमजी विवि में 2027 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू

मेट्रो रेज

रांची: अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2027 के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। विश्वविद्यालय के बेंगलुरु, भोपाल और रांची स्थित परिसरों में पूर्णकालिक पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। झारखंड के विद्यार्थियों के लिए रांची परिसर में एमए डेवलपमेंट और एमए एप्लाइड इकोनॉमिक्स की पढ़ाई का विकल्प उपलब्ध होगा। वहीं, विश्वविद्यालय के अन्य परिसरों में शिक्षा, अर्थशास्त्र, जन स्वास्थ्य, बाल शिक्षा और जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न विषयों में पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रम चार वर्षीय होंगे। इनमें विद्यार्थियों के लिए परिसर में रहना अनिवार्य होगा।

चाकू से वार कर अधेड़ की हत्या, त्वरित कार्रवाई में नामजद आरोपी गिरफ्तार

सिमडेगा: कोलेबिरा थाना क्षेत्र के सेतासोया बांधटोली (सदनटोली) गांव में चाकू से वार कर एक व्यक्ति की हत्या किए जाने के मामले में सिमडेगा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त खून लगा चाकू भी बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 31 अक्टूबर 2026 को सूचना मिली थी कि कोलेबिरा थाना क्षेत्र के सेतासोया बांधटोली गांव में एक व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया, जिसकी पहचान 45 वर्षीय विनोद डांग, पिता स्वर्गीय निकोलस डांग, निवासी सेतासोया बांधटोली के रूप में हुई।

इस मामले में मृतक के भतीजे प्रताप डांग (22) ने पुलिस को लिखित आवेदन दिया। आवेदन के अनुसार, 30 अक्टूबर को रात करीब 11:30 बजे शोर सुनकर जब वह घर से बाहर निकला, तो अपने चाचा विनोद डांग को खून से लथपथ अवस्था में पड़ा देखा। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि जितेन्द्र मांझी, पिता कलेश्वर मांझी ने उनके चाचा पर चाकू से हमला किया था। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनकी मौत हो गई।

जेसोवा दिवाली मेले में आकर्षण का केंद्र बना मत्स्य निदेशालय का स्टॉल

पांच फुट की पोषण थाली में सजी झारखंड की राजकीय मछली मांगुर, सोहराय कला और आधुनिक मत्स्य तकनीकों की दिखी झलक

मेट्रो रेज

रांची: इस दिवाली हर थाली को पोषण से भरने का संदेश लेकर झारखंड सरकार के मत्स्य निदेशालय ने मोरहाबादी मैदान में आयोजित जेसोवा दिवाली मेले में आकर्षक स्टॉल लगाया है। पांच फुट की विशाल थाली में झारखंड की राजकीय मछली देसी मांगुर, दाल, भात और सलाद को सजाया गया है। इसके माध्यम से लोगों को संतुलित आहार में मछली के महत्व की जानकारी दी जा रही है।

झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) की ओर से 29 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित इस मेले में मत्स्य निदेशालय की थीम 'इस दिवाली, हर थाली हो पोषण वाली' रखी गई है। स्टॉल पर पोषण के साथ ग्रामीण आजीविका, आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों और झारखंड की



सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित किया गया है।

पोषण के साथ रोजगार का संदेश: स्टॉल के माध्यम से मछली को प्रोटीन, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत बताते हुए इसके पोषण संबंधी महत्व को रेखांकित किया गया है। विभाग का उद्देश्य लोगों को संतुलित आहार में मछली शामिल करने के प्रति जागरूक करना है।

इसके साथ ही मत्स्य पालन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार के महत्वपूर्ण माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया गया है। झारखंड की नदियों, तालाबों और जलाशयों में मत्स्य पालन के माध्यम से किसानों, महिला समूहों और मछुआरा समुदायों की आय बढ़ाने की संभावनाओं की जानकारी दी जा रही है।

स्टॉल पर केज कल्चर तकनीक का भी प्रदर्शन किया गया है। इस तकनीक में बड़े जलाशयों के भीतर जालीनुमा पिंजरों में मछलियों का पालन किया जाता है। इसके माध्यम से जलाशय क्षेत्रों के मछुआरों, विस्थापित परिवारों और मत्स्य सहयोग समितियों के लिए आजीविका के नए अवसरों की जानकारी दी जा रही है।

सोहराय कला से सजी मछलियां बनीं आकर्षण: स्टॉल की एक खास विशेषता झारखंड की पारंपरिक सोहराय कला का रचनात्मक प्रयोग है। इस लोककला के पारंपरिक चित्रांकन को त्रिआयामी मछलियों के रूप में प्रस्तुत किया गया है। कुछ मछलियों को मछुआरों के जाल में फंसा हुआ दिखाया गया है। इसके माध्यम से जल, प्रकृति, कला और आजीविका के आपसी संबंध को दर्शाने का प्रयास किया गया है।

बच्चों के लिए खेल, योजनाओं की भी जानकारी: आगंतुकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए स्टॉल पर कई रोचक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। घूमने वाले क्यूब के माध्यम से विभागीय योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। वहीं, बच्चों के लिए 'चकरी घुमाओ, मछली फंसाओ' खेल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। चकरी जिस मछली पर रुकती है, उससे संबंधित जानकारी का कार्ड बच्चों को दिया जाता है।

इसके अलावा राज्य के मानचित्र और सूचना पटों के माध्यम से विभिन्न जिलों की मत्स्य गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया है। महाझींगा पालन, मोती पालन और बायोफ्लॉक जैसी आधुनिक तकनीकों की जानकारी भी दी जा रही है।

इस अवसर पर मत्स्य निदेशक अमरेंद्र कुमार ने कहा कि इस वर्ष स्टॉल की थीम पोषण थाली रखी गई है। विभाग का प्रयास है कि पोषण का संदेश हर घर तक पहुंचे। झारखंड की समृद्ध जल संपदा मछली पालन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और अतिरिक्त आय के अवसर पैदा कर सकती है। विभागीय योजनाओं और तकनीकी जानकारियों को सरल एवं आकर्षक तरीके से लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने लोगों से मेले में मत्स्य निदेशालय के स्टॉल पर पहुंचकर योजनाओं और मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकों की जानकारी लेने की अपील की।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गुमला
(विकास शाखा)
E-Mail – ddcgumla2014@gmail.com
Phone No. 06524-222209Fax No. 06524-222209

पत्रांक XXX/04/2026/.....(ii)/विगुमला, दिनांक.....वीं अक्टूबर 2026

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

जिला विकास शाखा, गुमला अंतर्गत जिले के सरकारी विद्यालयों में आवश्यकतानुसार बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन ग्रहण करने हेतु ग्लास की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु निम्न विवरण के अनुरूप Glass (Stainless Steel) आपूर्ति हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ताओं/प्रतिष्ठानों से निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएं:-

Sl. No.	Information	Details
1	Name of the work	Supply of Steel Glass (Stainless Steel) in Government Schools in Gumla District
2	Period of Work	30 Days
3	Date of Publication of Bid on webside	31/10/2026
4	Earnest Money to be Deposited (EMD)	Rs. 50,000/- in the form of DD from any scheduled Bank in favour of Deputy Development Commissioner, Gumla
5	Last date and time of receipt of Bid	Date:18/11/2026 Time:12.00 PM
6	Date and Time of opening of Bid	Date: 18/11/2026 Time: 03.00 PM
7	Technical Presentation	Date: 18/11/2026 Time: 3.00 PM
8	Bid Submission Place	Office of Deputy Commissioner (District Development Section), Gumla
9	Bid Opening Place	Meeting Hall (DDC, Office), Collectorate Building, Chandali, Gumla, 835207
10	Tentative cost of Bid	Rs. 20,41,410.00/-(Approx)
11	Contact Number	Mob:- 7488860728 EmailId:ddcgumla2014@gmail.com

नोटः- निविदा के नियम एवं शर्त जिले के वेबसाइट http://gumla.nic.in पर देखा जा सकता है।

प्रभारी पदाधिकारी, जिला विकास शाखा, गुमला। उप विकास आयुक्त, गुमला। उपायुक्त, गुमला।

PR 393016 Rural Development(26-27)#D



इन टिप्स को अपनाकर बन सकते हैं एक अच्छा मैनेजर

किसी भी संस्थान में एक मैनेजर की अहम भूमिका होती है। अगर आप भी अपने करियर में आगे बढ़ते हुए इस पद पर पहुंच गए हैं या पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने कार्यक्षेत्र के अलावा और भी चीजों पर ध्यान देना होगा। आपको अपनी सॉफ्ट स्किल्स की असली परीक्षा यही देनी होती है। एक लीडर के रूप में आप सभी सफल हो सकते हैं जब आपके कर्मचारी आपके साथ खुश, प्रेरित और उत्साहित महसूस करें।

कर्मचारियों को प्रेरित करना

अगर आप अपनी टीम का सम्मान करेंगे तो वे आपका सम्मान करेंगे। आपको उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का एप्रिशियेट करना होगा। उनसे अपने काम की ही फीडबैक न लेते रहें, बल्कि उनकी व्यक्तिगत समस्याओं को शेयर करने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

फील गुड कराएं

कर्मचारियों से केवल काम लेना है, ऐसी सोच आपके अच्छे मैनेजर बनने का गुण नहीं है। एक सफल मैनेजर में अपने कर्मचारियों की अच्छी बातों और क्षमताओं को पहचाने की समझ होती है। उनका मनोबल बढ़ाने के साथ उन्हें ऐसा माहौल दें कि वे बेहिचक काम कर सकें।

पीठ पीछे भी प्रशंसा

आपको उनके काम, व्यवहार, उदारता की तारीफ उनके सामने तो करनी ही चाहिए। साथ ही आपको उनके पीठ पीछे भी तारीफ करना चाहिए। एक कर्मचारी जो जानता है कि उसकी कितनी प्रशंसा की जाती है तो वह ज्यादा मेहनत करेगा, अपने काम में ज्यादा आनंद लेगा और इस मानसिक खुशी को वह दूसरे कर्मचारियों के साथ बांटेगा।

जिम्मेदारी सौंपे

आप एक मैनेजर है क्योंकि आप अपने काम में एक्सपर्ट है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सारा काम खुद करना है। आपको यह समझ होनी चाहिए कि कौन सा काम,कौन सा कर्मचारी बखूबी पूरा कर सकता है। आपको अपने कर्मचारी को सीखने और नए अवसर देने की कोशिश करनी चाहिए। धीरे-धीरे जैसे आप उनकी सक्षमता और कमजोरियों को समझने लगें उन्हें ज्यादा जिम्मेदारी के काम सौपें।



वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है विदेश में अध्ययन

आज दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे से जुड़ गई है और विदेश में पढ़ाई करना इसका सिर्फ एक पहलू है। विदेश में पढ़ाई करना किसी के भी जीवन की महत्वपूर्ण अवधि है। इसमें बहुत सारे जोखिम, समझ और व्यक्तिगत विकास शामिल हैं। यह छात्रों पर गहरा प्रभाव डालता है क्योंकि वे विभिन्न प्रकार की संस्कृतियों, विचारों के विभिन्न स्कूल, धर्मों और परंपराओं का अनुभव करते हैं जो जीवन के प्रति पूरी तरह से उदार रवैया रखते हैं। इसके अलावा, छात्रों के अध्ययन की देखरेख करता है और अध्ययन और अनुसंधान के नए तरीकों की खोज करता है जो उन्हें वैश्विक करियर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करता है।

अग्रिम शैक्षणिक तैयारी

शैक्षणिक उपलब्धि भविष्य की उपलब्धियों के लिए महत्वपूर्ण कदम और रोजगार में प्रतिस्पर्धा पर बढ़त हासिल कर सकती है। आप अपने आप को आराम क्षेत्र से बाहर चुनौती देने के लिए विभिन्न शिक्षण शैली से सीख पाएंगे जो आपको अपरिचित वातावरण के अनुकूल होने के लिए तैयार करता है।

आजीवन अवसर

जैसा कि आप छात्रों को जीवनकाल में तेजी से बढ़ने और शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिलता है, इसलिए नई दुनिया और सीखने के अनुभव का पता लगाने और खोजने के लिए इस अवसर को अवश्य पकड़े।

लाइफटाइम कनेक्टिविटी

साथी छात्रों, शिक्षकों, पेशेवरों और परिवारों के लंबे समय तक चलने वाले संपर्कों के एक नेटवर्क पर टैप करें जो विदेशों में आपको प्रदान करता है, यह आपके जीवन को समृद्ध करता है, जो अक्सर महान अवसरों की ओर ले जाता है।

नई जानकारी

अपने विदेश प्रवास के दौरान, आप दुनिया के बारे में बहुत सी नई चीजें सीखेंगे जो आपके देश में रहने के दौरान संभव नहीं थी। एक नए वातावरण में रहने से आपके सोचने के तरीके को एक नया दृष्टिकोण मिलता है।

नई भाषा / संस्कृति

अलग-अलग देश में रहने से आपको एक अलग भाषा सीखने का मौका मिलता है। कई लोग नई भाषा और संस्कृति सीखने में रुचि रखते हैं, लेकिन जब आप देश में रहते हैं तो उनके सांस्कृतिक मूल्यों के साथ-साथ सीखना एक नया अनुभव होता है।
सांस्कृतिक मतभेद भाषा, भोजन या आदतों के अंतर से अधिक हैं। बाजार में कई किताबें उपलब्ध हैं या कोई टीवी पर किसी देश और उसकी परंपरा के बारे में जानकारी देते हुए शो देख सकता है। लेकिन जब आप देश में रहते हैं और लोगों के साथ बातचीत करते हैं तो आप क्या सीखते हैं, तभी आप सही मायने में किसी अन्य संस्कृति को समझ सकते हैं।

आत्म ज्ञान

अपनी पढ़ाई पूरी करने और घर लौटने के बाद, आप अपने व्यक्तित्व में बदलाव देखेंगे और अपने और जीवन के प्रति पूरी तरह से अलग दृष्टिकोण रखेंगे।

अनुभव

जब आप बिल्कुल नए वातावरण में अध्ययन करते हैं, तो कभी-कभी आप ऐसी स्थितियों में हो सकते हैं जो बिल्कुल नए हैं और बहुत चुनौतीपूर्ण हैं। ऐसी स्थितियों को संभालने से आपको कुशलतापूर्वक सीखने, समायोजित करने और जवाब देने, अपनी ताकत और क्षमताओं को खोजने और शूटिंग कौशल को परेशान करने का एक शानदार अवसर मिलता है।

सीखने की शैली

हर देश में पढ़ाने का अपना तरीका होता है। विदेशों में अध्ययन करना आपके द्वारा उपयोग किए जाने वाले तरीकों से बहुत भिन्न होने की संभावना है। शिक्षण की एक अलग शैली के माध्यम से सीखना बहुत उपयोगी साबित हो सकता है क्योंकि इससे यह समझने में मदद मिलती है कि कुछ करने के कई तरीके हो सकते हैं।

पाठ्यक्रमों की विविधता

जो विकल्प आपको अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों में मिलते हैं, वे आपको अपने देश में कभी नहीं मिलेंगे।

व्यवसाय

पढ़ाई पूरी करने के बाद जब आप नौकरी की तलाश कर रहे होंगे तो, आपको हमेशा उन छात्रों पर फायदा होगा जिन्होंने राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा पूरी की है। दुनिया भर की कंपनियां दूसरे देशों में निवेश करना जारी रखती हैं, ऐसे लोगों की जरूरत पैदा करती हैं जो विविध संस्कृतियों से निपटने में सक्षम हैं। नियोक्ता के अनुसार, एक व्यक्ति जिसने विदेश में अध्ययन किया है वह आत्मनिर्भर है, आत्म-प्रेरित है, चुनौतियों को उठाना पसंद करता है। विदेशों में रहने और अध्ययन करने का आपका अनुभव, एक नई भाषा और संस्कृति का ज्ञान आपको अपने सपनों की नौकरी प्राप्त करने में ऊपर सेट करता है।

ग्लोबल विचार

विदेशों में अध्ययन करने से देशों को आतंकवाद, ग्लोबल वार्मिंग और वैश्विक स्तर पर जनसंख्या वृद्धि जैसे मुद्दों से निपटने में भी मदद मिल सकती है। छात्र ऐसे मुद्दों पर बैठकर चर्चा कर सकते हैं और अन्य छात्रों को अपने देशवासियों के सामने आने वाली समस्या को समझने में मदद कर सकते हैं और खुद को अन्य देशों के लोगों द्वारा सामना की जा रही समस्या को भी समझ सकते हैं। विदेशों में अध्ययन करने से यह भी अधिक लाभ होता है कि यह साथी छात्रों के बीच सद्भाव और स्नेह बढ़ाता है और अपने देशवासियों के लिए भले ही उनकी जाति, रंग और पंथ के बावजूद ये चीजें एक वास्तविक समान वातावरण बनाती हैं जहां केवल मानवता किसी भी पूर्वाग्रह के साथ मायने रखती है।





ऑफिस में आपके व्यवहार से प्रतिबिंबित होते हैं लीडरशिप के गुण

जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है।

किसी भी सेक्टर में या किसी भी ऑफिस में, ऐसे लोग होते हैं जो दूसरों को उनका काम करने में मार्गदर्शन देते हैं। जरूरी नहीं कि हमेशा बॉस ही लीडर हो, कोई और भी लीडर हो सकता है। लीडरशिप का गुण ऑफिस में आपके व्यवहार में प्रतिबिंबित हो ही जाता है। बैंकिंग सेक्टर में भी हर ब्रांच में एक लीडर की जरूरत होती है और बैंक ऑफिसर्स की भर्ती करने वाले इंटरव्यू पैनल ऐसे ही लीडर की तलाश में होते हैं। किसी बैंक ब्रांच में दूसरों का नेतृत्व करने के लिए कई गुणों की जरूरत होती है। कारण यह कि बैंक में किसी भी दिन ऐसी कई स्थितियां बन सकती हैं, जिनमें संभव है कि ब्रांच मैनेजर भी न समझ पाए कि क्या किया जाना चाहिए। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि ब्रांच में कोई तो हो, जो रास्ता दिखा सके। एक बैंकर को अच्छा लीडर बनाने वाले गुण इस प्रकार हैं -

त्वरित बुद्धि

यह सबसे ज्यादा जरूरी है क्योंकि जब भी पैसों संबंधी कोई समस्या उठ खड़ी होती है, तो अक्सर लोगों का दिमाग काम करना बंद कर देता है। आखिर सवाल रुपए-पैसों का जो है! ऐसी स्थिति में एक लीडर की त्वरित बुद्धि के चलते उसके समक्ष एक नहीं, अनेक उपाय उठ खड़े होंगे। तब वह उनमें से श्रेष्ठ उपाय को चुनकर लागू करेगा।

ठंडा दिमाग

लीडरशिप के लिए यह बहुत जरूरी होता है। बैंकिंग में आपका पाला कई लोगों से पड़ेगा और सब एक जैसे नहीं होंगे। ऐसे भी लोग होंगे, जो बैंक में आकर आपसे या स्टाफ के किसी अन्य सदस्य से बहस करेंगे लेकिन ऐसे में आपको अपना संतुलन नहीं खोना है। याद रखें, वह व्यक्ति तो अपना काम कराकर चला जाएगा लेकिन यदि आप गरम दिमाग से दिन भर काम करेंगे, तो आपसे जरूर कोई-न-कोई गलती हो ही जाएगी! इसलिए लीडर के लिए हर हाल में शांत बने रहना जरूरी है। वैसे भी ग्राहक तो ग्राहक होता है और बैंक कर्मचारी के तौर पर आपका काम उसकी सेवा करना ही है।

लचीलापन

लीडर होने का यह मतलब नहीं कि आप अपनी मर्जी से लोगों को हांक लेंगे। यह संभव नहीं कि किसी के पास हर समस्या का समाधान हो। हो सकता है कि आपके पास किसी समस्या का समाधान न हो लेकिन किसी और के पास यह होगा। आपको उस शख्स की मदद लेनी होगी ताकि काम हो सके। एक सच्चा लीडर इतना लचीलापन हमेशा रखता है।

अच्छे संबंध रखें

बैंकिंग में यह बहुत जरूरी है क्योंकि बैंकिंग का व्यवसाय मूल रूप से विश्वास पर ही टिका होता है। आपको ब्रांच के हर कर्मचारी तथा ग्राहक के साथ अच्छे संबंध बनाकर रखने होते हैं। इससे ब्रांच में माहौल सकारात्मक बना रहता है।

दूसरों का सहारा बनें

गलती हर किसी से होती है और बैंकिंग में होने वाली गलती पैसे से जुड़ी ही होगी। बैंकर के रूप में, आपको जरूरत के समय अपने साथियों का साथ देना चाहिए। इससे उनकी नजरों में आप सच्चे लीडर होंगे।

लगन व परिश्रम

लीडर होने का मतलब है दूसरों के लिए मिसाल पेश करना और लगनशील व परिश्रमी होने की मिसाल से बेहतर क्या हो सकता है? जब साथी आपको मेहनत कर परिणाम प्राप्त करते देखेंगे, तो वे भी ऐसा ही करने को प्रेरित होंगे।

औरों से दो कदम आगे रहें

बैंकिंग जैसे प्रतिस्पधी क्षेत्र में यह बहुत जरूरी है कि लीडर अपनी सोच और अपने व्यवहार में दूसरों से हमेशा दो कदम आगे रहे। तभी तो वह अपने संस्थान को आगे ले जा पाएगा।



वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणित मनुष्य के ज्ञान की एक अत्यधिक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई विषय शामिल हैं। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है और आज भी यहां गणित में विश्व स्तर के अनुसंधान करने वाले अनेक संस्थान हैं। गणनाओं में रुचि रखने वाले युवा बड़ी संख्या में गणित को करियर के रूप में चुनते हैं। गणित लगभग सभी वैज्ञानिक अध्ययनों का एक अनिवार्य अंग है। वैज्ञानिक गणित का उपयोग प्रयोगों की रूपरेखा बनाने, सूचना का विश्लेषण करने, गणित के सिद्धांतों द्वारा अपने निष्कर्ष उचित रूप में व्यक्त करने तथा इन निष्कर्षों के आधार पर सटीक भविष्यवाणी करने के लिए करते हैं। खगोल विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान जैसे विषय तो गणित पर ही निर्भर हैं। सामाजिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी, इंजीनियरिंग आदि भी गणित की ही शाखाओं पर निर्भर होते हैं। गणित में विशेषज्ञतापूर्ण कोर्स चलाने वाले देश के अन्य प्रमुख संस्थान इस प्रकार है -

- औद्योगिक गणित में पाठ्यक्रम पुणे विश्वविद्यालय, पुणे में उपलब्ध है।
- न्यूमेरिकल मैथमेटिक्स पाठ्यक्रम मदुरै कामराज विश्वविालय, मदुरै में उपलब्ध है।
- गणितीय अर्थशास्त्र में पाठ्यक्रम देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर में उपलब्ध है।
- इसके अलावा एमएससी व पीएचडी कोर्स के लिए देश के प्रमुख संस्थान इस प्रकार हैं -
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई। लिखित परीक्षा तथा उसके बाद साक्षात्कार के माध्यम से इस संस्थान के पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (आईआईएसईआर), पुणे/ मोहाली/ कोलकाता/ तिरुवनंतपुरम/ भोपाल तथा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईएसईआर), भुवनेश्वर में भी गणित में एकीकृत एमएससी डिग्री कोर्स उपलब्ध है। आईआईएसईआर विद्यार्थियों को आईआईटी प्रवेश परीक्षा के आधार पर प्रवेश देता है, जबकि एनआईएसईआर नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट (एनईएसटी) के माध्यम से प्रवेश देता है।
- हैदराबाद विश्वविालय द्वारा गणित में एकीकृत एमएससी पाठ्यक्रम चलाया जाता है। यह विश्वविद्यालय जून के आरंभ में आयोजित की जाने वाली लिखित परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है।

वैज्ञानिक अध्ययनों का अनिवार्य अंग है गणित

गणितज्ञ

गणितज्ञों को गणित का अध्ययन अथवा अनुसंधान करना होता है। वे गणित के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करने का प्रयास करते हैं।

शिक्षण

गणित पूरी स्कूली शिक्षा में एक मुख्य विषय होता है। यदि आपमें संख्याओं के प्रति गहरा आकर्षण है और विद्यार्थियों को पढ़ाने में आपकी रुचि है, तो आप शिक्षण के क्षेत्र में भी करियर बना सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाले गणितज्ञों का अध्यापन तथा अनुसंधान में खास योगदान होता है।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेयर इंजीनियर सॉफ्टवेयर के प्रयोग तथा उनकी प्रणाली का सृजन, परीक्षण, विश्लेषण व मूल्यांकन करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान और गणितीय विश्लेषण के सिद्धांतों को कार्यान्वित करते हैं।

बैंकिंग

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के चलते बैंक तेजी से अपनी शाखाएं बढ़ा रहे हैं, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के हजारों नए अवसर निर्मित हो रहे हैं। गणित में महारथ रखने वाले युवा बैंकिंग के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं।

चार्टर्ड अकाउंटेंट

उदारीकरण के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था के तीव्र विकास के चलते अकाउंट्स तथा फाइनेंस के क्षेत्र में करियर ने खूब लोकप्रियता अर्जित की है। इस क्षेत्र में चार्टर्ड अकाउंटेंट का एक अत्यधिक प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। मैथ्स व कॉमर्स में रुचि रखने वाले युवा इस क्षेत्र में बढ़िया करियर बना सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in
email : metrorays.ranchi@gmail.com

श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता असुरक्षित घाटों पर छठ पूजा पर रहेगी रोक

उपायुक्त ने शकुंतला सहाय घाट से चानन घाट तक किया निरीक्षण, सुरक्षित घाटों पर मजबूत बैरिकेडिंग और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने का दिया निर्देश

संवाददाता



साहिबगंज : आगामी छठ महापर्व के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और पर्व के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने रविवार को विभिन्न पदाधिकारियों के साथ साहिबगंज शहरी क्षेत्र के गंगा तट स्थित छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शकुंतला सहाय घाट से चानन घाट तक करीब तीन से चार किलोमीटर के क्षेत्र का जायजा लिया।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य गंगा के जलस्तर, घाटों की भौगोलिक स्थिति और इस वर्ष हुए कटाव का आकलन कर छठ महापर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना था। उपायुक्त ने बिजली घाट, शकुंतला सहाय घाट, मुक्तेश्वर घाट, ओझा टोला घाट, मलाही टोला घाट, चानन घाट और कबूतर खोपी घाट सहित विभिन्न घाटों की स्थिति का निरीक्षण किया।

उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को सभी घाटों का समुचित आकलन कर सुरक्षित और असुरक्षित घाटों को स्पष्ट रूप से चिह्नित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया असुरक्षित, खड़े और गहरे कटाव वाले तटों को छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन और पूजा के लिए प्रतिबंधित किया जाए।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सुरक्षित घोषित किए गए घाटों पर मजबूत और पर्याप्त बैरिकेडिंग कराई जाए, ताकि श्रद्धालु गहरे पानी और खतरनाक स्थानों तक नहीं पहुंच सकें। इसके अलावा घाटों की सीढ़ियों से मिट्टी और अन्य अवरोध हटाने, साफ-सफाई, पर्याप्त रोशनी, पेयजल और शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

ओझा टोला घाट की स्थिति पर उपायुक्त ने कहा कि प्रथम दृष्टया यहां पानी की गहराई अचानक बढ़ती हुई प्रतीत होती है। इसलिए संबंधित पदाधिकारियों को बांस के माध्यम से पानी की वास्तविक गहराई मापने और स्थिति का आकलन करने का निर्देश दिया गया है। इसके बाद घाट को प्रतिबंधित करने या अन्य जरूरी सुरक्षा उपाय अपनाने पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने घाटों पर पर्याप्त संख्या में चौकीदार, गोताखोर और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा। वहीं, पुलिस प्रशासन को भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं की समुचित तैयारी रखने का निर्देश दिया। सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने को कहा गया, ताकि छठव्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस अवसर पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने जिलेवासियों और छठव्रतियों से अपील की कि प्रशासन जिन घाटों को असुरक्षित घोषित करेगा, वहां किसी भी परिस्थिति में पूजा के लिए नहीं जाएं। उन्होंने कहा कि साहिबगंज क्षेत्र में गंगा का विस्तृत तटीय इलाका उपलब्ध है। श्रद्धालु अपनी सुविधानुसार सुरक्षित घाटों का चयन कर सकते हैं। सभी लोग प्रशासन की ओर से जारी सुरक्षा निदेशों का पालन करें और प्रतिबंधित घाटों पर जाने से बचें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अपर समाहर्ता विजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आईन्द, अंचलाधिकारी बासुकीनाथ टुडू, नगर प्रशासक अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

न्यूज IN ब्रीफ

राष्ट्रीय जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले एमानुएल किस्कू को उपायुक्त ने किया सम्मानित



साहिबगंज: जिले में खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा उनकी प्रतिभा को उचित मंच प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन, साहेबगंज निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में 41वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 80 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर साहेबगंज लौटे एमानुएल किस्कू को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दूबे ने सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि 23 से 27 अक्टूबर, 2026 तक तमिलनाडु के चेन्नई स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 41वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में खेल विभाग झारखंड सरकार एवं जिला प्रशासन साहिबगंज द्वारा स्थानीय सिद्धो-कान्हू स्टेडियम में संचालित आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र साहिबगंज के प्रशिक्षु तथा राजस्थान इंटर विद्यालय के छात्र एमानुएल किस्कू ने 80 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। एमानुएल किस्कू ने इस स्पर्धा में अपने असाधारण प्रदर्शन से दो दिनों के भीतर तीन बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने हिट मुकाबले में 11।17 सेकेंड, सेमीफाइनल में 11।22 सेकेंड तथा फाइनल में 10।10 सेकेंड का समय दर्ज किया। इसके साथ ही उन्होंने 11 अक्टूबर, 2025 को भुवनेश्वर में आयोजित 40वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में बिहार के रोहित राज द्वारा 80 मीटर हर्डल्स में बनाए गए 10।28 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। यह उपलब्धि पर उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने एमानुएल किस्कू को अंगवस्त्र एवं खेल सामग्री के रूप में ट्रैक सूट, टी-शर्ट, बनियान, जूते, बैग सहित अन्य आवश्यक सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने एमानुएल को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए भविष्य में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जिले के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक सहयोग व सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। जबकि राज्य एथलेटिक्स टीम के प्रशिक्षक एवं एमानुएल किस्कू के कोच श्री योगेश यादव को भी अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार, जिला खेल समन्वयक कौशल किशोर मरांडी सहित अन्य उपस्थित थे।

ईदगाह व कब्रिस्तान कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न



साहिबगंज: शहर के एलसी रोड स्थित बिस्मिल्लाह मैरिज हॉल में शनिवार को ईदगाह व कब्रिस्तान कमेटी की नई कार्यकारिणी के गठन को लेकर चुनाव शांतिपूर्ण निष्पक्ष वातावरण में संपन्न हुआ। सुबह 8 बजे से 11 बजे तक मतदान कराया गया। शहर की विभिन्न मस्जिदों से चयनित सदस्यों ने अध्यक्ष,सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। चुनाव समिति के पर्यवेक्षक मो।शाहिद इकबाल ने बताया कि मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किया गया। चुनाव में कुल 187 मतदाताओं ने हिस्सा लिया। सचिव पद पर राशिद खान को 78 मत प्राप्त हुए और वे विजयी घोषित किए गए। वहीं अध्यक्ष पद पर मो।सरफराज आलम को 104 मत मिले,जबकि कोषाध्यक्ष पद पर मो।सफदर अली ने 119 मत प्राप्त कर जीत हासिल की। चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।सचिव पद पर जीत दर्ज करने के बाद राशिद खान ने अपनी मां मुर्शिदा खातून से आशीर्वाद प्राप्त किया।इस दौरान समर्थकों में खुशी का माहौल रहा। सचिव राशिद खान ने कहा कि यह जीत उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं,बल्कि उन सभी लोगों के विश्वास और समर्थन की जीत है,जिन्होंने उन पर भरोसा जताया है। उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कमेटी की जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी पारदर्शिता और निष्ठा के साथ निभाएंगे। ईदगाह एवं कब्रिस्तान का विकास साफ-सफाई और बेहतर व्यवस्था उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों के सहयोग से समाजहित में कार्य करेंगे। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष मो।सरफराज आलम ने कहा कि मतदाताओं ने जिस विश्वास और उम्मीद के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है,उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे। ईदगाह एवं कब्रिस्तान की व्यवस्था को बेहतर बनाना विकास कार्यों को गति देना तथा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना उनकी प्राथमिकता होगी।उन्होंने चुनाव में सहयोग और समर्थन देने वाले सभी मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि कमेटी आपसी एकता भाईचारे और सामूहिक सहयोग से समाज के हित में काम करेगी।

राशिद खान सचिव और सरफराज आलम अध्यक्ष निर्वाचित

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम 3 नवंबर को

गिरिडीह : 3 नवंबर को गिरिडीह के झंडा मैदान में भाजपा द्वारा आहूत लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ कार्यक्रम को लेकर भाजपा गिरिडीह विधानसभा के नेता सुरेश साव ने गिरिडीह विधानसभा के पूर्वी मंडल के मंझिलाडीह और जम्बाद केवट टोला में भाजपा नेत्री लवली देवी और प्रदीप राय के नेतृत्व में ग्रामीणों के साथ बैठक किया।सुरेश साव ने सभी ग्रामीणों से अपील किया और कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आग्रह किया। सुरेश साव ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार यहां के नौजवानों, किसानों, महिलाओं को ठगने का काम कर रही है।

मायापुर इस्कॉन मंदिर की तर्ज पर बनेगा मां बायसी स्थान का भव्य काली पूजा पंडाल



साहिबगंज : शहर के पुरानी साहिबगंज स्थित मां बायसी मंदिर प्रांगण में शनिवार को श्री श्री 108 काली पूजा समिति मां बायसी स्थान की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई इस दौरान समिति के अध्यक्ष संजय यादव ने बताया कि इस वर्ष काली पूजा को भव्य और आकर्षक रूप देने की तैयारी की जा रही है।मां बायसी स्थान पहले से ही पर्यटन स्थल के रूप में प्रसिद्ध है और यहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है। मंदिर को विदेशों से भी सहयोग राशि प्राप्त होती है।उन्होंने बताया कि इस वर्ष पूजा के अवसर पर मायापुर के इस्कॉन मंदिर की तर्ज पर भव्य पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही मां काली की आकर्षक प्रतिमा और चंदननगर से मंगाई गई विशेष विद्युत सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहेगी। इस वर्ष पूजा आयोजन का कुल बजट 10 लाख रुपये से अधिक निर्धारित किया गया है। समिति की ओर से मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे,ताकि पूजा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।समिति के अनुसार,8 नवंबर की रात्रि में मां काली की पूजा-अर्चना की जाएगी जबकि 11 नवंबर को प्रतिमा का विसर्जन होगा।प्रेस वार्ता में समिति के अध्यक्ष संजय यादव सचिव देव कुमार ओझा उर्फ काला ओझा,कोषाध्यक्ष संतोष चौधरी सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

दुमका में जेटेट परीक्षा को लेकर 55 केंद्रों पर उमड़ी अभ्यर्थियों की भीड़, दो स्तर पर जांच के बाद मिला प्रवेश

- 10 साल बाद शुरू हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा, कड़ी सुरक्षा के बीच दो पालियों में हुआ आयोजन
- मोबाइल और स्मार्ट वॉच ले जाने पर प्रतिबंध



दुमका : झारखंड में 10 साल बाद शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) शनिवार से शुरू हो गई। राज्यभर में करीब 5.65 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। दुमका जिले में परीक्षा के सफल संचालन के लिए कुल 55 केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा और निगरानी के बीच परीक्षा आयोजित की जा रही है। शनिवार सुबह से ही विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं।

दुमका के 55 केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा: दुमका जिला स्कूल, गर्ल्स स्कूल, महिला कॉलेज और नेशनल स्कूल सहित अन्य सरकारी एवं निजी स्कूल-कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह और दूसरी पाली दोपहर बाद निर्धारित की गई है। सुबह से ही केंद्रों पर अभ्यर्थियों की आवाजाही बनी रही।

मोबाइल और स्मार्ट वॉच ले जाने पर प्रतिबंध: परीक्षा में कदाचार रोकने के लिए सभी केंद्रों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती की गई है। केंद्रों के मुख्य द्वार के बाहर और अंदर दो स्तर पर जांच की व्यवस्था की गई है। महिला अभ्यर्थियों की जांच महिला पुलिसकर्मी, जबकि पुरुष अभ्यर्थियों की जांच पुरुष पुलिसकर्मी कर रहे हैं।

बिना जांच परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं: परीक्षा केंद्रों में मोबाइल, ब्लूटूथ, स्मार्ट वॉच, कैलकुलेटर सहित अन्य प्रतिबंधित इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर रोक लगाई गई है। बिना जांच किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। जिला प्रशासन की प्राथमिकता परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त तरीके से संपन्न कराना है।

सरदार पटेल की जयंती पर दुमका पुलिस ने लिया राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प

- डीआइजी अंबर लकड़ा और एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने अर्पित की श्रद्धांजलि, पुलिस पदाधिकारियों व जवानों ने दोहराई प्रतिबद्धता

संवाददाता



दुमका : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शनिवार को दुमका में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआइजी) कार्यालय और पुलिस लाइन मैदान में कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीआइजी अंबर लकड़ा और पुलिस अधीक्षक (एसपी) पीतांबर सिंह खेरवार सहित पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया।

डीआइजी कार्यालय और पुलिस लाइन में हुए कार्यक्रम: डीआइजी कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अंबर लकड़ा ने सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। वहीं, पुलिस लाइन मैदान में एसपी पीतांबर सिंह खेरवार की मौजूदगी में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों और जवानों ने राष्ट्र की एकता एवं अखंडता की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। राष्ट्र निर्माण में पटेल के योगदान को किया याद: कार्यक्रम के दौरान सरदार पटेल के व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आजादी के बाद देशी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का एहसास कराता है। सरदार पटेल के आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र की एकता और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में सभी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

अखिल भारतीय कुर्मी महासभा ने मनाई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती



साहिबगंज: लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के सदस्यों ने शहर के पटेल चौक पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान समाज के दर्जनों लोग उपस्थित रहे। प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद उत्सव बैंक्वेट हॉल में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में स्कूली बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए,जिससे उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।कार्यक्रम के दौरान सरदार पटेल के जीवन,उनके योगदान और राष्ट्र की एकता के प्रति उनके समर्पण को याद किया गया। मौके पर अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमलाल मंडल उर्फ मंटा मंडल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती समाज के लोगों ने एकजुट होकर धूमधाम से मनाई। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।उनकी जयंती को पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर बबलू सिन्हा,जय प्रकाश सिन्हा,संजय पटेल,रमन राय,अशोक सिन्हा, सत्यनारायण प्रसाद,संजय सिंह सहित अखिल भारतीय कुर्मी महासभा के कई सदस्य एवं समाज के अन्य लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर छात्रों ने देखा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

डॉ। प्रवीण कुमार प्रणव बोले- भारतीयता और मानवता के सूत्र में सभी को जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है राष्ट्रीय एकता दिवस

संवाददाता



साहिबगंज: एसकेपी विद्या विहार राजपुर प्लस टू आवासीय विद्यालय, बांका में शुक्रवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रों को गुजरात से प्रसारित प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया।

लाइव प्रसारण से पहले जीव विज्ञान शिक्षक, जिला पर्यावरण विशेषज्ञ एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की बांका जिला इकाई की प्रबंध समिति के सदस्य डॉ। प्रवीण कुमार प्रणव ने राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देश की राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2014 से प्रत्येक वर्ष 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस देश में रहने वाले विभिन्न जाति, धर्म और संप्रदाय के लोगों को भारतीयता और मानवता के एक सूत्र में पिरोने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल स्वतंत्र भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री थे। उन्होंने अपने कार्यकाल में देश की 562 रियासतों में से 559 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलय कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके योगदान के कारण ही उन्हें लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है।

शाम पांच बजे के बाद गुजरात से राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसके साथ ही अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में उसे बुझाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। मॉक ड्रिल के माध्यम से छात्रों को आग से बचाव और अग्निशमन के सुरक्षित तरीकों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में अग्निशमन विभाग के अधिकारी, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक तथा छात्रावास के सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

भारतीय महिला कबड्डी टीम बनी पहली राष्ट्रमंडल चैंपियन, युगांडा को 35-15 से हराया



अहमदाबाद। भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। निधि शर्मा की कप्तानी में भारत ने शनिवार को खेले गए फाइनल में युगांडा को 35-15 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए छह मैचों में छह जीत दर्ज की।

फाइनल में भारत की ओर से साक्षी ने सबसे अधिक नौ रेड अंक जुटाए। उन्होंने अपनी 10 रेड में से नौ अंक हासिल किए, जिनमें दो बोनस अंक शामिल रहे। अनु ने छह और कप्तान निधि शर्मा ने पांच रेड अंक जोड़े। रितु और सुमन ने रक्षापंक्ति में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार-चार टैकल अंक हासिल किए।

भारत ने मुकाबले में 20 रेड और 10 टैकल अंक जुटाए तथा दो बार युगांडा को ऑलआउट किया। युगांडा की ओर से नाकायोंगो शिराट ने 11 अंक हासिल किए, लेकिन उन्हें अन्य खिलाड़ियों से अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। मुकाबले के पहले हाफ में भारत ने 22-7 की मजबूत बढ़त बना ली थी। शुरूआत में दोनों टीमों के बीच मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने जल्द ही दबदबा बना लिया। पहले हाफ में भारत ने एक भी रेड गंवाए बिना छह सफल टैकल किए, जबकि युगांडा की टीम अपने सभी नौ टैकल प्रयासों में नाकाम रही।

दूसरे हाफ में युगांडा ने वापसी की कोशिश की और रेड अंकों के मामले में भारत से एक अंक आगे रहा, लेकिन भारतीय टीम ने एक और ऑलआउट करते हुए जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने युगांडा के रेडरों को 10 बार सफलतापूर्वक टैकल किया।

फाइनल की सर्वश्रेष्ठ भारतीय खिलाड़ी साक्षी ने छह मुकाबलों में कुल 52 अंक बनाए। उन्होंने कहा कि नौ रेड अंक हासिल कर टीम की जीत में योगदान देना उनके लिए खुशी की बात है। उनके मुताबिक, इस तरह की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से कबड्डी को बढ़ावा मिलेगा और युवा खिलाड़ियों को अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

भारत ने टूर्नामेंट में मलेशिया को 73-13, सिंगापुर को 32-16, युगांडा को 41-18 और नाइजीरिया को 38-10 से हराकर ग्रुप-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया था। इसके बाद सेमीफाइनल में श्रीलंका को 39-14 से शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई और खिताबी मुकाबले में युगांडा को हराकर इतिहास रच दिया।

मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी ने जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में जीता ब्राउन्स मेडल



मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी अनुभव चौधरी को जापान में हुए पैरा एशियन गेम्स में 100 मीटर में ब्राउन्स मेडल हासिल करने पर शनिवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम रामगंगा विहारं मुरादाबाद में सम्मानित किया गया।इस मौके पर उत्तर प्रदेश ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव डॉ अजय पाठक ने बताया कि अनुभव चौधरी ने जापान में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में ब्राउन मेडिकल हासिल करके पीतलनगरी मुरादाबाद के साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी देश भर में चमका दिया है। अनुभव चौधरी के स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम में डॉ अजय पाठक के अलावा क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी चंचल मिश्रा, क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार, पूर्व क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार एवं सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के समस्त कोच एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

हाइलो ओपन

सिंधु ने अनमोल खरब को हराकर फाइनल में बनाई जगह



सारब्रुकेन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शनिवार को हमवतन अनमोल खरब को सीधे गेम में हराकर हाइलो ओपन 2026 के महिला एकल फाइनल में प्रवेश कर लिया है। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने सेमीफाइनल मुकाबले में खरब को 21-13, 21-16 से शिकस्त दी। खिताबी मुकाबले में उनका सामना डेनमार्क की शीर्ष वरीयता प्राप्त लाइन होयमार्क कजेरफेल्ड्ट से होगा।

सेमीफाइनल में खरब ने अच्छी शुरूआत करते हुए पहले गेम में 6-5 की बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने जल्द ही वापसी की और मध्यांतर तक 11-9 से आगे हो गईं। इसके बाद सिंधु ने अपनी लंबाई और दमदार शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए खरब को कोर्ट के पिछले हिस्से में खेलने के लिए मजबूर किया। उनके लंबे और ऊंचे क्लियर शॉट्स ने खरब को लगातार दबाव में रखा।

खरब ने नेट पर अच्छे खेल और तेज मूवमेंट के जरिए मुकाबले में बने रहने की कोशिश की। उन्होंने कई मौकों पर शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए जवाबी हमले भी किए, लेकिन सिंधु की ताकत और कोर्ट के पिछले हिस्से तक पहुंचने वाले शॉट्स के सामने उनकी चुनौती कमजोर पड़ती गई।

सिंधु ने 14-10 की बढ़त बनाकर पहले गेम पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। खरब के छोटे लिफ्ट शॉट्स का फायदा उठाते हुए उन्होंने कई आक्रामक स्मैश लगाए और पहला गेम 21-13 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम की शुरूआत में मुकाबला बराबरी का रहा और स्कोर 6-6 हो गया। खरब ने तेज रिट्रीवल और आक्रामक ड्राइव के जरिए सिंधु को चुनौती दी, लेकिन सिंधु ने अपने दमदार क्लियर और क्रॉस-कोर्ट ड्रॉप शॉट्स से खेल पर नियंत्रण बनाए रखा।

तेज रैलियों और नेट पर हुए मुकाबले के दौरान खरब से कुछ गलतियां हुईं। उनके कमजोर लिफ्ट शॉट्स का फायदा उठाकर सिंधु ने लगातार आक्रमण किए। अंत में सिंधु ने दूसरा गेम 21-16 से जीतकर फाइनल का टिकट पक्का कर लिया।

फिल्म 'ओम' में साई पल्लवी के किरदार का खुलासा

निभा रहीं नित्या रेड्डी का किरदार



निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम' सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म में तमिल स्टार धनुष और मलयालम सुपरस्टार ममूटी लीड रोल में नजर आएंगे। इसी बीच मेकर्स ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए अभिनेत्री साई पल्लवी के किरदार का खुलासा कर दिया है। हालांकि एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सोमवार शाम को रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पहले ही बता दिया है कि वह फिल्म में एक पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही प्रोडक्शन कंपनी वंडरबार फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी से मजाकिया अंदाज में पूछा, 'सर, सब लोग पूछ रहे हैं कि साई पल्लवी की झलक कब आएगी, बता दें क्या सर, राजकुमार केपी?'

इस ट्वीट का जवाब देते हुए डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी ने कहा, 'बेझिझक बता सकते हैं। 26 अक्टूबर को शाम 6 बजे। फिल्म में अभिनेत्री साई पल्लवी नित्या रेड्डी का किरदार निभाएंगी।'

बॉलीवुड स्टार नसीरुद्दीन शाह भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म के टाइटल के साथ 'चैप्टर 1' की टैगलाइन है, जिससे संकेत मिलता है कि इसका सीक्वल भी आ सकता है।

कुछ समय पहले मेकर्स द्वारा रिलीज किए गए टाइटल टीजर से पता चला था कि कहानी लाल चंदन काटकर जीवन यापन करने वालों के इर्द-गिर्द घूमती है। धनुष खुद फिल्म में एक लकड़हारे की भूमिका में हैं। टीजर में दिखाया गया था कि पुलिसकर्मी अवैध रूप से लाल चंदन काट रहे लकड़हारों को पकड़ रहे हैं। जैसे ही वे बंदूक की नोक पर मजदूरों को बंधक बनाते हैं, धनुष उन्हें बचाने के लिए आता हुआ दिखाई देता है। फिल्म इस साल 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। बता दें कि मेकर्स ने पहले फिल्म को 16 अक्टूबर को रिलीज करने का प्लान बनाया था। हालांकि, एक्टर धनुष ने एक बयान में फिल्म की रिलीज टालने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सुपरस्टार रजनीकांत के सम्मान में फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है, रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' 15 अक्टूबर को रिलीज हुई है।

धनुष ने यह भी साफ किया है कि उनकी फिल्म दिवाली पर भी रिलीज नहीं होगी क्योंकि उसी डेट पर सूर्या की फिल्म पहले से अनाउंस हो चुकी है। इसके बाद एक्टर और प्रोड्यूसर ने फिल्म की नई रिलीज डेट 20 नवंबर घोषित की। फिल्म को लेकर फैंस और सिनेमा लवर्स में जबरदस्त उत्साह है क्योंकि यह पहली बार है जब धनुष और ममूटी किसी प्रोजेक्ट में साथ काम कर रहे हैं।

'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी को मिली रोमांटिक-एक्शन फिल्म



सुनील शेट्टी के बेटे और अभिनेता अहान शेट्टी फिल्म 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद एक बार फिर एक्शन के मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। अभिनेता अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन 'रुस्तम' फेम मशहूर निर्देशक टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। ज्ञानेंद्र वासुदेव की तरफ से लिखी गई 'सनकी' मूल रूप से एक प्रेम कहानी है। इसमें दमदार और जबरदस्त एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म की शूटिंग 30 अक्तूबर से भोपाल में शुरू होगी।

सोच समझकर चुनी फिल्म

'बॉर्डर 2' में अपने अभिनय और फिल्म को मिली शानदार सफलता के बाद अहान ने अपने अगले प्रोजेक्ट्स का चयन काफी सोच-समझकर किया है। अब वह 'सनकी' में एक नया किरदार निभाते हुए नजर आएंगे।

इसके बाद वह विक्रम भट्ट की फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' में नजर आएंगे।

इसके अलावा उनकी कुछ अन्य फिल्मों की शूटिंग भी 2027 में शुरू होने वाली है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी विशाल टीम के साथ पहले ही भोपाल पहुंच चुके हैं। वह 30 अक्तूबर से शुरू होने वाली शूटिंग से पहले तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। फिलहाल फिल्म की कहानी और इसके विषय को गोपनीय रखा गया है।

दिग्गज कलाकारों की ट्रोलिंग पर ईशा देओल ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री ईशा देओल ने जया बच्चन, हेमा मालिनी समेत सभी दिग्गज कलाकारों के साथ सोशल मीडिया ट्रोलिंग और पैपराजी द्वारा किए जा रहे गलत व्यवहार को लेकर बात की। अभिनेत्री का कहना है कि व्यूज पाने के लिए पैपराजी दिग्गज कलाकारों के साथ इस तरह के व्यवहार करते हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में कहा कि अक्सर सीनियर एक्टर्स के साथ इस तरह के व्यवहार को बढ़ावा दिया जाता है। अभिनेत्री ईशा देओल कहती हैं, 'जब एक बच्चा बड़ा होकर टीनेज बनता है और अपने बड़ों के साथ सही से बर्ताव नहीं करता है, तो आप किसे दोषी ठहराओगे। माता-पिता को क्योंकि उन्होंने बच्चे को सही परवरिश नहीं दी। उसी तरह, मुझे लगता है कि इस कल्चर में फोटोग्राफर्स को भी गाइड किया जा रहा है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें उस इंसान की गलती है जो फोटो खींच रहा है। गलती उन लोगों की है जो पेज चला रहे हैं और ज्यादा लाइक्स और व्यूज पाने के लिए ऐसी चीजें अपने पेज पर डालना चाहते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि इस समस्या की जड़ को ठीक करने की जरूरत है।'

ईशा ने आगे दिग्गज कलाकारों के साथ पैपराजी के बर्ताव पर बात करते हुए कहा, 'हमने एक परिवार के तौर पर यह सब झेला है और मुझे नहीं लगता कि यह बिल्कुल भी सम्मानजनक है। अगर आप मुझसे ईमानदारी से पूछें, तो इंडस्ट्री इन्हीं लोगों से बनी है। बिना नाम लिए कहूं तो, ये सभी हमारी इंडस्ट्री के स्तंभ हैं। आपको उनका सम्मान करना होगा और यही वे लोग हैं जिन्होंने आपको सिनेमा दिया है।' ईशा ने आगे कहा कि फोटोग्राफर्स को यह समझना चाहिए कि कुछ सेलेब्स हैं जिन्हें उनके साथ हल्की-फुल्की मस्ती करना पसंद है और कुछ ऐसे भी हैं जो इस तरह की बातचीत से असहज महसूस करते हैं। ईशा ने कहा, 'तो, आप सही तरीके से अपनी सीमा में रहिए। यहां पर बिल्कुल मत करो और जहां करना है वहां जो करना है करो। मुझे लगता है यह इतना ही आसान है।



तीन हफ्ते बाद काम पर लौटेंगे टाइगर श्रॉफ

अगली फिल्म की शूटिंग अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर जब से हमला हुआ है, तब से वह चर्चा में हैं। अब उनके काम से जुड़ी एक अपडेट आई है। उम्मीद जताई जा रही है कि अभिनेता अगले महीने, दिवाली के बाद अपकमिंग फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट सकते हैं। मुंबई के जुहू में हुई गोलीबारी की घटना के बाद, उनकी टीम ने कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया है।

क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम

टाइगर श्रॉफ की सुरक्षा टीम और प्रोडक्शन टीम ने मिलकर एक योजना बनाई है, ताकि उनका शूटिंग शेड्यूल गुप्त रहे। उनके आने-जाने की जानकारी केवल कुछ चुनिंदा लोगों के साथ ही साझा की जाएगी। इसके अलावा, सेट पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रोडक्शन टीम ज्यादा सावधानी बरत रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 18 अक्तूबर की घटना के बाद से टाइगर ने शूटिंग शुरू नहीं की है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि वह करण जौहर की फिल्म 'लग जा गले' के सेट पर लौट आए हैं, हालांकि ऐसा नहीं है। फिलहाल, अभिनेता अपने परिवार के साथ घर पर हैं और उम्मीद है कि त्योहारों के बाद अगले महीने वह फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू करेंगे। उनके पास कुछ और काम भी हैं, जो अपनी तय समय सीमा के हिसाब से आगे बढ़ रहे हैं।

नेपाल के डोल्पा में भारी बर्फबारी
6 भारतीय पर्यटक लापता

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के डोल्पा जिले में भारी बर्फबारी के बीच शे-फोक्सुंडो झील की ओर जा रहे छह भारतीय पर्यटक लापता हो गए हैं। लापता पर्यटकों में दो महिला और चार पुरुष शामिल हैं। । नुमला पास और बगला पास के इलाके में उनसे संपर्क टूट गया । ये दोनों दर्रे शे-फोक्सुंडो के वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित हैं।

डोल्पा की मुख्य जिला अधिकारी जुनु हमाल ने बताया कि पर्यटक धो से फोक्सुंडो झील की ओर लौट रहे थे, तभी वे बर्फ में फंस गए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों ने उन्हें पहाड़ पार



करने में होने वाली कठिनाइयों के बारे में आगाह किया था, लेकिन वे आगे बढ़ गए और अब उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। शे-फोक्सुंडो गांवपालिका के अध्यक्ष धावा साम्दुक गुरूग के अनुसार, वार्ड नंबर 4 और 8 के बीच स्थित दर्रों में मोबाइल नेटवर्क बिल्कुल नहीं है। संचार सुविधा नहीं होने के कारण पर्यटकों की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है। डोल्पा के पुलिस

- संचार सुविधा नहीं होने के कारण पर्यटकों की स्थिति के बारे में जानकारी जुटाना मुश्किल हो रहा है

उपाधीक्षक अनिल राज गिरी ने बताया कि इन पर्यटकों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। उन्होंने कहा कि तलाश और बचाव अभियान के लिए संबंधित निकायों से हेलीकॉप्टर की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया है। मुख्य जिला अधिकारी हमाल ने बताया कि लापता पर्यटकों का पता लगाने और उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए नेपाली सेना की एक टीम भी तैनात की गई है।

चक्रवात अर्नब पड़ा कमजोर, नेपाल में मौसम धीरे-धीरे हो रहा सामान्य



काठमांडू। पश्चिमी नेपाल के आसपास स्थित कम दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव कमजोर पड़ रहा है। यह क्षेत्र चक्रवात अर्नब का अवशेष है। इसके प्रभाव में कमी आने के साथ ही मौसम में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मौसम पूवार्नुमान महाशाखा के अनुसार, फिलहाल लुम्बिनी प्रदेश सहित देश के पहाड़ी और हिमालयी क्षेत्रों में आमतौर पर बादल छाए हुए हैं, जबकि देश के बाकी हिस्सों में आंशिक रूप से बादल लगे हैं। बागमती, गंडकी, लुम्बिनी और कणार्ली प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो रही है। महाशाखा के मुताबिक, आज दोपहर देशभर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना है। आज रात भी देशभर में मौसम आंशिक रूप से बादलयुक्त रहेगा। गंडकी, कणार्ली और सुदूरपश्चिम प्रदेश के हिमालयी और पहाड़ी क्षेत्रों के एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश और बर्फबारी होने की संभावना है।

मनिहारी में फास्ट फूड दुकान का गैस सिलेंडर फटा चार बच्चों समेत पांच झुलसे

एजेंसी

कटिहार। जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बलुआघट्टी (वार्ड संख्या 1) स्थित एक फास्ट फूड व नाश्ते की दुकान में रविवार सुबह एलपीजी गैस सिलेंडर में भीषण विस्फोट हो गया। इस हादसे में दुकान पर नाश्ता कर रहे चार मासूम बच्चों समेत कुल पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए कटिहार सदर अस्पताल रेफर किया गया है, जहां दो बच्चों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार सुबह दुकान पर लोग नाश्ता कर रहे थे, तभी अचानक गैस रिसाव के चलते सिलेंडर में आग भड़क गई और देखते ही देखते तेज धमाका हो गया। विस्फोट इतना जोरदार था कि आसपास के इलाके में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। आग की चपेट में आने से अनंत परिहार, आयुष कुमार, प्रियांशु, राम और आर्यन कुमार गंभीर रूप से झुलस गए।

धमाके की आवाज सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को तुरंत मनिहारी अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद सभी की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक पदाधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस मामले की तकनीकी जांच में जुटी है और दुकान संचालक द्वारा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की जा रही है।

ईरान की होर्मुज को खोलने पर कतर से वार्ता, कहा-अमेरिका पहले शर्त माने

एजेंसी

तेहरान (ईरान)। मध्य पूर्व में तनाव का प्रमुख कारण बन चुके होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने को लेकर कतर के मध्यस्थों के साथ ईरान के शीर्ष नेताओं की बातचीत चल रही है। ईरान ने कतर को साफ कर दिया है कि अमेरिका को पहले उसकी शर्तें मानने को तैयार होना होगा। ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका अगर शर्तें मान लेता है तो होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोल दिया जाएगा।

अल जजीरा और इरना की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची ने कतरी मध्यस्थों के चल रही बातचीत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को दो दिन में फिर से खोलने की योजना को अंतिम रूप दे दिया गया है।



इसके लिए सिर्फ एक शर्त है कि अमेरिका को उनकी सभी मांगें माननी होंगी। उधर, ईरान के सुरक्षा प्रमुख मोहसेन रेजाई का कहना है कि उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पत्र को देखा है। इसके अध्ययन से साफ है कि वाशिंगटन के रुख में पूरी तरह से बदलाव आया है। उन्होंने इस बदलाव को एक सकारात्मक संकेत बताया है।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अपने सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया है कि वे अमेरिका और इजराइल की ओर से आने वाले किसी भी संभावित खतरे का ₹बिना किसी भौगोलिक सीमा के, तत्काल और प्रभावी जवाब₹ दें। सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर जनरल अली अब्दुल्लाही ने कहा कि खामेनेई के निर्देश के बाद ईरानी बल तैयार हैं। मेजर जनरल अब्दुल्लाही ने शनिवार को बताया कि कमांडर-इन-चीफ अयातुल्ला सैयद मोजतबा हुसैनी खामेनेई के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों को दिए गए आदेश के बाद ईरानी सशस्त्र बलों ने अपने एजेंडे में दुश्मन के ठिकानों और संपत्तियों की एक नई सूची शामिल की है। उन्होंने कहा कि इस्लामिक क्रांति के नेता का समझदारी भरा और निर्णायक नेतृत्व सशस्त्र बलों के कमांडरों और सभी सदस्यों के लिए एक मार्गदर्शक की तरह है। अब्दुल्लाही ने कहा कि सशस्त्र बल किसी भी तरह की आक्रामकता का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने कमांडर-इन-चीफ और देश को भरोसा दिलाया कि वे अंतिम सांस तक देश की रक्षा के लिए अडिग खड़े रहेंगे। शीर्ष कमांडर ने कहा कि ईरानी सेना आधुनिक और उन्नत उपकरणों व तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए बिना किसी भौगोलिक सीमा के पूरी ताकत और तीव्रता के साथ अमेरिकी और दुश्मनों का मुकाबला करेगी।

वाराणसी-नई दिल्ली के बीच वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 2 नवंबर से

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल यात्रियों की सुविधा और बेहतर रेल संपर्क उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रेलवे ने वाराणसी और नई दिल्ली के बीच नई वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस के नियमित परिचालन का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 27421/27422 वाराणसी-नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस का नियमित परिचालन 2 नवंबर से शुरू होगा।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि ट्रेन संख्या 27421 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस वाराणसी से शुक्रवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 27422 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस नई दिल्ली से शनिवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन परिचालित होगी।

ट्रेन संख्या 27421 वाराणसी-नई दिल्ली वंदे भारत स्लीपर



एक्सप्रेस वाराणसी से रात 8:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 6:10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस दौरान ट्रेन प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन और गाजियाबाद जंक्शन पर ठहराव करेगी। ट्रेन प्रयागराज जंक्शन पर रात 10:35 बजे पहुंचेगी और 10:40 बजे प्रस्थान करेगी। कानपुर सेंट्रल पर रात 12:40 बजे पहुंचकर 12:45 बजे रवाना होगी। अलीगढ़ जंक्शन पर सुबह 3:55 बजे पहुंचकर 3:57 बजे प्रस्थान करेगी तथा गाजियाबाद जंक्शन पर सुबह 5:23 बजे पहुंचकर 5:25 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन संख्या 27422 नई दिल्ली-वाराणसी वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस नई दिल्ली से रात 9:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 7:10 बजे वाराणसी पहुंचेगी। ट्रेन गाजियाबाद जंक्शन पर रात 10:13 बजे, अलीगढ़ जंक्शन पर रात 11:20 बजे, कानपुर सेंट्रल पर रात 2:45 बजे तथा प्रयागराज जंक्शन पर सुबह 5:05 बजे पहुंचेगी।

रेलवे ने यात्रियों से ट्रेन के समय और अन्य जानकारी के लिए एनटीईएस की वेबसाइट या 139 रेलवे हेल्पलाइन पर संपर्क करने की अपील की है।

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में पारंपरिक हाथी पूजा के साथ पर्यटन वर्ष 2026-27 के हाथी सफारी का शुभारंभ

गोलाघाट (असम)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में आज सुबह पारंपरिक रूप से हाथी पूजा के साथ पर्यटन वर्ष 2026-27 के हाथी सफारी का शुभारंभ हुआ। हाथी सफारी पर्यटकों को काफी पसंद आती है। ज्ञात हो कि काजीरंगा को पर्यटकों को लिए पिछले महीने ही बरसात के बाद खोला गया था। उद्यान में सिर्फ जीप सफारी चल रही थी। लेकिन, उद्यान का आनंद अब पर्यटक हाथी पर सवार होकर ले सकते हैं। कंहरा वन क्षेत्र के मुख्य द्वार पर फीता काटकर वन विभाग के हाथी सफारी का औपचारिक उद्घाटन काजीरंगा के डीएफओ अरुण विग्नेश ने किया। इसके साथ ही बागरी वनांचल क्षेत्र में भी निजी हाथी सफारी शुरू हुई। पहले दिन कंहरा वन क्षेत्र में वन विभाग के 10 हाथियों और बागरी वन क्षेत्र में 33 निजी हाथियों के साथ हाथी सफारी सुबह के समय शुरू हुई। ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड सहित



विभिन्न देशों के विदेशी पर्यटक और देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले सैकड़ों पर्यटक हाथी की पीठ पर सफारी का आनंद लेते हुए काजीरंगा की मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता का अनुभव करते देखे गये। खासतौर पर पहली बार हाथी सफारी का अनुभव कर स्थानीय और विदेशी पर्यटक मंत्रमुग्ध हो गये। ज्ञात हो कि काजीरंगा विश्व में एक सींग वाले गैंडे के लिए विख्यात है, हालांकि, अन्य जंगली जीवों का भी यह उद्यान आश्रय स्थल है। जिसे देखने के लिए प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में उद्यान में आते हैं।

पर्यटन वर्ष के शुभारंभ के साथ ही राज्य सरकार ने अपनी ओर से पूरी तैयारी की है। वहीं, काजीरंगा उद्यान प्रबंधन, टूर आपरेटर, टूर गाइड समेत इससे जुड़े सभी पर्यटकों का ख्याल रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारी पूरी कर चुके हैं। उद्यान में पर्यटकों के आने से टूर आपरेटर, टूर गाइड, स्थानीय दुकानदार, होटल व्यवसायी आदि सभी के चेहरे इस समय खिल उठे हैं।

मंडल कारा में अहले सुबह प्रशासन की बड़ी छापेमारी 170 पुलिसकर्मियों ने खंगाली जेल की बैरकें

एजेंसी

किशनगंज । मंडल कारा किशनगंज में रविवार की अहले सुबह जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने अचानक बड़ी छापेमारी की। जिलाधिकारी नवीन कुमार और पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के संयुक्त नेतृत्व में सुबह करीब चार बजे शुरू हुए इस सघन तलाशी अभियान से जेल प्रशासन में हलचल मच गई। करीब 170 पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों की टीम ने जेल की सभी बैरकों, कैदी वार्डों और परिसर के विभिन्न हिस्सों को खंगाला। अचानक शुरू हुए इस अभियान में अनुमंडल पदाधिकारी किशनगंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी-1 एवं 2, पुलिस उपाधीक्षक



(रक्षित), पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), पुलिस उपाधीक्षक (साइबर) तथा पुलिस उपाधीक्षक (यातायात) समेत प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी शामिल थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में जेल के अंदर व्यापक स्तर पर तलाशी ली गई।

अभियान के दौरान अधिकारियों की टीम ने सभी कैदी वार्डों और बैरकों की बारीकी से जांच की। जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों को भी खंगाला गया। छापेमारी का मुख्य उद्देश्य जेल के भीतर मोबाइल फोन, मादक पदार्थों समेत अन्य प्रतिबंधित एवं अवैध सामग्रियों की संभावित मौजूदगी का पता लगाना और सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना था। हालांकि, घंटों चले सघन तलाशी अभियान के बावजूद जेल परिसर से कोई भी आपत्तिजनक अथवा प्रतिबंधित सामग्री बरामद नहीं हुई। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे जेल की सुरक्षा व्यवस्था और आंतरिक अनुशासन की नियमित निगरानी का हिस्सा बताया। जिला प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि मंडल कारा की सुरक्षा, बंदियों पर निगरानी और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के औचक निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान आगे भी जारी रहेंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई को जेल की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद रखने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को आंध्र प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, पंजाब और तमिलनाडु के लोगों को उनके राज्य और केंद्र शासित प्रदेश स्थापना दिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, ₹अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विविध परंपराओं के साथ, इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने भारत की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों की समृद्धि और कल्याण के लिए अपनी शुभकामनाएं देती हूं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इनमें से प्रत्येक राज्य अपनी अनूठी सांस्कृतिक विरासत, जीवंत परंपराओं और देश की प्रगति में दिए गए अमूल्य योगदान से समृद्ध है। ये राज्य विकास, समृद्धि और समावेशी प्रगति के पथ पर निरंतर आगे बढ़ते रहें और 'विकसित भारत' के विजन में अपना योगदान देते रहें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तमिलनाडु के मेहनती और उद्यमशील लोगों ने भारत की प्रगति में उत्कृष्ट योगदान दिया है। विनिर्माण, ऑटोमोबाइल और कपड़ा से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा तथा उभरते उद्योगों तक, राज्य ने नवाचार, कौशल और औद्योगिक उत्कृष्टता के माध्यम से खुद को प्रतिष्ठित किया है।

न्यूज IN ब्रीफ

पाकिस्तान ने चेताया- 'आतंकवाद पर अफगानिस्तान की निष्क्रियता बर्दाश्त नहीं'



इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। संघीय सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार देररात काबुल कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि तालिबान नेतृत्व अपनी जिम्मेदारी से पीछे भाग रहा है। वह तनावपूर्ण संबंधों के असल कारण यानी अफगानिस्तान से चल रहे आतंकवादियों के ठिकानों को खत्म करने के बजाय इस्लामाबाद की नीतियों को दोष दे रहा है। मंत्रालय ने चेतावनी दी, "आतंकवाद पर अफगानिस्तान की निष्क्रियता अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने कहा, ₹पाकिस्तान का रुख एकदम साफ है। आतंकवाद अस्वीकार्य है। अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।₹ इस्लामाबाद सीमा पार मौजूद उन आतंकवादी ठिकानों को बर्दाश्त नहीं करेगा, जो उसकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं।₹ पाकिस्तान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए पैदा होने वाले खतरों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सभी जरूरी कदम उठाने का अधिकार रखता है, चाहे ये खतरे कहीं से भी आ रहे हों।" मंत्रालय ने कहा, 'इस स्थिति के लिए अफगान तालिबान शासन जिम्मेदार है।" मंत्रालय ने काबुल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अफगान तालिबान अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकता। मंत्रालय ने कहा, 'पाकिस्तान की सुरक्षा को अफगान तालिबान की निष्क्रियता, टालमटोल या गलत प्राथमिकताओं का बंधक नहीं बनने दिया जाएगा।₹ यह ताजा बयान इस्लामाबाद और काबुल के बीच चल रहे तनाव के बीच आया है।

'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2026 में पाकिस्तान में 225 आतंकी हमले हुए। पिछले 12 साल में किसी एक महीने में हुए हमलों की यह सबसे बड़ी संख्या है। राजनयिक बातचीत और मध्यस्थता की कोशिश के बावजूद यह मुद्दा अभी भी विवाद की बड़ी वजह बना हुआ है। सितंबर में, तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि काबुल, इस्लामाबाद के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखना चाहता है। वहीं, पाकिस्तान का कहना है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधारने के लिए चरमपंथी समूहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई जरूरी है।

बांग्लादेश में बस हादसा, राहगीर की मौत, जमात के 30 कार्यकर्ता घायल



ढाका (बांग्लादेश)। देश के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से के खुलना अंतर्गत सतखीरा के पाटकेलगहाटा में हुए बस हादसे में एक राहगीर की मौत हो गई और जमात-ए-इस्लामी के कम से कम 30 कार्यकर्ता घायल हो गए। बस में सवार ये कार्यकर्ता सड़क किनारे एक खाई में जा गिरे। यह हादसा शनिवार रात करीब 8:30 बजे खुलना-सतखीरा राजमार्ग के चाराबोतोला इलाके में हुआ। जमात कार्यकर्ता खुलना से 11 दलीय गठबंधन के रोड मार्च से लौट रहे थे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान 65 वर्षीय अब्दुल खालिक मोल्लाह के रूप में हुई है। वह पाटकेलगहाटा के काशियाडांगा गांव में रहते थे। उनके पड़ोसी रिपन मुल्ला ने बताया कि खुलना में रोड मार्च में शामिल होने के बाद जमात कार्यकर्ता बस से सतखीरा लौट रहे थे। जब अब्दुल खालिक चाराबोतोला चौराहे के पास सड़क पार कर रहे थे तभी बस ने उन्हें टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद बस सड़क किनारे एक खाई में जा गिरी। सतखीरा जमात के महासचिव अजीजुर रहमान ने कहा कि जब बस रोड मार्च से लौट रही थी, तो बुजुर्ग अचानक बस के सामने आ गए। उन्होंने कहा, ₹उन्हें बचाने की कोशिश में हमारे नेताओं और कार्यकताओं को ले जा रही बस सड़क से उतरकर किनारे की खाई में जा गिरी, जिससे कम से कम 30 कार्यकर्ता घायल हो गए। उस बुजुर्ग व्यक्ति की भी मौत हो गई।₹ पटकेलघाटा पुलिस था प्रभारी तफजल हुसैन ने हादसे की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि बस ड्राइवर की हालत गंभीर है, जबकि बाकी लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

असम: गौरीपुर में 600 बीघा भूमि को खाली कराने के लिए पहुंचे 60 बुलडोजर



धुबड़ी (असम)। निचले असम के धुबड़ी जिलांतर्गत गौरीपुर के अलमगंज नवम खंड में अवैध रूप से कब्जा की गयी भूमि को खाली कराने के लिए प्रशासन ने आज अभियान शुरू किया है। जिला प्रशासन की ओर से मिली जानकारी के अनुसार पहले चरण में लगभग 600 बीघा भूमि खाली कराई जाएगी। 600 बीघा भूमि में 500 परिवार हैं। अभियान के दौरान किसी तरह की कोई बाधा उत्पन्न न हो इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। अतिक्रमण को खाली कराने के लिए 60 से अधिक बुलडोजर मौके पर पहुंच गये हैं। इस कार्रवाई के लिए धुबड़ी जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए आज से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। गौरीपुर राजस्व चक्र के अंतर्गत अलमगंज नवम खंड में बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलेगा। प्रशासन के इस अभियान से पहले ही खुद-ब-खुद लोग अपने घर और बाड़ी तोड़कर दूसरी जगह चले गए हैं। वहीं कुछ लोगों ने घर-बाड़ी तोड़कर दूसरी जगह स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बीच गौरीपुर अतिक्रमण हटाओ स्थल पर बाघ सेना के नेता यूनुस तामुली भी आज सुबह पहुंच गये। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इस अभियान के लिए स्थानीय सांसद रकि बुल हुसैन जिम्मेदार हैं। चुनाव के समय रकि बुल हुसैन द्वारा की गई टिप्पणी के कारण आज सरकार ने बेदखली अभियान चलाया है। उन्होंने सरकार से प्रभावित परिवारों की चिंता करने की अपील की है।

इंडियन ऑयल ने बंगाल सुंडी संघ के संस्थापक कृष्णा मुरारी साहू को किया सम्मानित



मुरीः पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के तुलिन-झालदा निवासी बंगाल सुंडी संघ के संस्थापक सह संयोजक एवं चंद्रिका बस सर्विस के संचालक कृष्णा मुरारी साहू को इंडियन ऑयल कंपनी ने उनकी व्यावसायिक उपलब्धि के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। उनकी इस उपलब्धि पर अखिल सुंडी शौंडिक महासंघ, झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ, झारखंड सुंडी समाज और पंच परगना सुंडी समाज समेत विभिन्न संगठनों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

ज्ञात हो कि कृष्णा मुरारी साहू सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय रहते हैं। वे समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के सुख-दुख और सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की सहायता के लिए भी वे हमेशा आगे रहते हैं। इसी कारण क्षेत्र में उनकी पहचान एक सकारात्मक सोच रखने वाले सामाजिक व्यक्ति के रूप में है।

चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह को मिलेगा केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक



चंदवा (लातेहार): चंदवा थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक मनोरंजन प्रसाद सिंह का प्रतिष्ठित केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक के लिए चयन किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से चंदवा सहित पूरे लातेहार जिले का मान राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ा है। चयन की खबर से पुलिस महकमे में खुशी का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, देशभर के 28 पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित किया गया है। इनमें झारखंड के लातेहार जिले के चंदवा थाना प्रभारी मनोरंजन प्रसाद सिंह का नाम शामिल होना जिले के लिए गौरव की बात है। चयनित पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सम्मानित किए जाने की जानकारी है। कर्तव्यनिष्ठा और कार्यकुशलता को मिली राष्ट्रीय पहचानः वर्तमान में चंदवा थाना प्रभारी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे पुलिस निरीक्षक मनोरंजन प्रसाद सिंह का चयन पुलिस सेवा के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और कार्यकुशलता की राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के रूप में देखा जा रहा है। उनके चयन से पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारियों और कर्मियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। चंदवा जैसे प्रखंड में पदस्थापित पुलिस अधिकारी का राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चयनित होना जिले के लिए विशेष उपलब्धि है। एसपी ने दी शुभकामनाएंः लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने मनोरंजन प्रसाद सिंह के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि मनोरंजन प्रसाद सिंह का योगदान सराहनीय और प्रशंसनीय है। उनके चयन से जिले का मान बढ़ा है। एसपी ने इस उपलब्धि के लिए उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मनोरंजन प्रसाद सिंह की इस उपलब्धि पर स्थानीय लोगों और शुभचिंतकों ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है।

ग्रिजली पब्लिक स्कूल में मना हैलोवीन डे, डरावने किरदारों की वेशभूषा में बच्चों ने किया रैंप वॉक



झुमरी तिलैया (कोडरमा): गुमो स्थित ग्रिजली पब्लिक स्कूल में कक्षा दो और तीन के विद्यार्थियों के लिए हैलोवीन डे का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे स्कूल परिसर को हैलोवीन थीम के अनुसार सजाया गया था। परिसर में स्केलेटन और विभिन्न प्रकार के कटआउट लगाए गए थे। साथ ही थीम आधारित सेल्फी कॉर्नर भी बनाया गया, जो आकर्षण का केंद्र रहा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अंतरराष्ट्रीय संस्कृति और त्योहारों से परिचित कराना था। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, इस तरह की गतिविधियों से बच्चों की रचनात्मकता का विकास होता है, उनका काल्पनिक डर दूर होता है और सामूहिक आयोजनों में भाग लेने से आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे घर से ही ड्रैकुला, जॉम्बी, ममी, पेनीवाइज और फ्रेंकस्टीन जैसे प्रसिद्ध काल्पनिक डरावने किरदारों की वेशभूषा में पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान कक्षा दो के सभी विद्यार्थियों ने मॉन्स्टर फेस मास्क क्राफ्ट गतिविधि में हिस्सा लिया। वहीं, कक्षा दो और तीन के बच्चों ने रैंप वॉक और ग्रुप डांस में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रोल प्ले प्रतियोगिता में भी बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। इसमें अंशिका और मानविका ने विच, सुहाना और वेदिका ने एनाबेल, आद्या ने वैस्पर और अहान ने वैंपायर का किरदार निभाया। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और प्रस्तुति पर दर्शकों एवं शिक्षकों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की प्राचार्या नीरजा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सह-पाठ्यक्रम गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने बच्चों को निडर बनने और अपनी रचनात्मकता को हमेशा प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजिका अनिता कुमारी, शिक्षिकाओं मायावती, अंजू, रानी, पूजा, वर्षा, शालिनी, कला शिक्षक मुकेश और फैजान सहित प्रशासनिक सदस्य निखत, अजीत, विकास एवं अन्य कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सात साल बाद फिर सजेगा गोपाष्टमी मेला 17 से 21 नवंबर तक होंगे रंगारंग आयोजन



झुमरी तिलैयाः सात साल के लंबे अंतराल के बाद इस वर्ष गोपाष्टमी मेले का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर शनिवार को अग्रसेन भवन में आम बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रदीप केडिया ने की। अपने संबोधन में प्रदीप केडिया ने कहा कि सात वर्षों के अंतराल के बाद इस बार गोपाष्टमी मेले का आयोजन हो रहा है। ऐसे में सभी कार्यकर्ताओं को पूरी लगन और मेहनत के साथ जुटना होगा, ताकि मेले को ऐतिहासिक बनाया जा सके।

बैठक में सचिव अरुण मोदी ने मेले से संबंधित विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, कोषाध्यक्ष अविनाश सेठ ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस वर्ष गोपाष्टमी मेला 17 से 21 नवंबर तक धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। मेले की विस्तृत रूपरेखा मेला मंत्री राम रतन महर्षि और प्रदीप खाटूवाला ने प्रस्तुत की। कवि सम्मेलन के प्रोजेक्ट डायरेक्टर मनोज केडिया ने इसकी तैयारियों की जानकारी दी। वहीं, गिरधारी सुहानी ने 'भूले-बिसरे' कार्यक्रम की रूपरेखा रखी। नृत्य-कला और चित्रकला कार्यक्रमों के प्रोजेक्ट डायरेक्टर रितेश लोहानी एवं ओमप्रकाश ने अपने-अपने कार्यक्रमों की जानकारी दी। संरक्षक सुरेश जैन, श्याम सुंदर सिंघानिया और मकसूदन दारूका ने गौशाला के लिए अधिक से अधिक धन संग्रह करने के उपायों पर अपने विचार रखे। झोली यात्रा की जिम्मेदारी अमित खेतान को सौंपी गई। बैठक के अंत में संजय अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मीना बाजार, झूले और खाने-पीने के स्टॉल होंगे आकर्षणः मेला समिति ने बताया कि मेले में मीना बाजार, बड़े झूले, खाने-पीने के स्टॉल और पार्किंग स्टैंड की व्यवस्था की जाएगी। इच्छुक दुकानदार स्टॉल बुकिंग के लिए गौशाला कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। बैठक में माधव राव भार्गव, संदीप केडिया, सुभाष बरनवाल, अंकित खेतान, पवन चौधरी, पीयूष जैन, चंदन बरनवाल, अरुण बरनवाल, सुधांशु जी, संतोष सिन्हा, अरुण सेठ, हरजीत सिंह सलूजा, अजय अग्रवाल, सुरेंद्रलाल, इंद्रदेव बरनवाल और दीपक सिंघानिया समेत बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

बिहार की 75 फीसदी से अधिक पंचायतों में विकास कार्य बदहाल करोड़ों के आवंटन के बावजूद बुनियादी सुविधाओं का अभाव

मेट्रो रेज की टीम ने विभिन्न जिलों की पंचायतों का किया निरीक्षण, योजनाओं के क्रियान्वयन और सरकारी राशि के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

बिहार में पंचायती राज व्यवस्था के तहत ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार की ओर से करोड़ों रुपये का आवंटन किया जा रहा है। इसके बावजूद राज्य के विभिन्न जिलों की पंचायतों में विकास कार्यों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। मेट्रो रेज की टीम ने विभिन्न जिलों की पंचायतों का दौरा कर विकास कार्यों की जमीनी हकीकत जानने का प्रयास किया। टीम के निरीक्षण में कई पंचायतों में बुनियादी सुविधाओं और विकास योजनाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली।

टीम का आरोप है कि सरकार की ओर से विकास योजनाओं के लिए राशि उपलब्ध कराए जाने के बावजूद धरातल पर अपेक्षित काम दिखाई नहीं दे रहा है। कहीं योजनाओं को कागजों पर पूरा दिखाकर सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका है, तो कहीं



घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल और विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप सामने आए हैं।

सरकारी अभिलेखों और जमीनी हकीकत में अंतर का आरोपः मेट्रो रेज की टीम ने प्रखंड स्तर पर भी मामले की जानकारी जुटाने का प्रयास किया। टीम के अनुसार, पंचायतों में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति और सरकारी अभिलेखों में दर्ज कार्यों के बीच अंतर होने की आशंका है। इसको लेकर पंचायत सचिवों, मुखियाओं, पंचायत प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। टीम ने सवाल उठाया कि पंचायतों को विकास के लिए मिलने वाली राशि का समुचित इस्तेमाल क्यों नहीं हो रहा है? पांच वर्षों का पंचायत कार्यकाल पूरा होने के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की स्थिति संतोषजनक क्यों नहीं है? जिन योजनाओं के लिए सरकारी राशि आवंटित की गई, उनकी गुणवत्ता और उपयोगिता की जांच आखिर कौन करेगा?

जिला प्रशासन की भूमिका पर भी उठाए सवालः रिपोर्ट में जिलाधिकारियों और जिला प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। टीम का कहना है कि पंचायतों में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाए जाने के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई होती दिखाई नहीं दे रही है। यदि सरकारी राशि का दुरुपयोग हुआ है, तो इसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। टीम ने यह भी सवाल उठाया कि क्या ग्रामीण जनता को विकास का अधिकार नहीं है? गांवों में सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। इसके बावजूद पंचायतों के विकास के नाम पर आवंटित राशि का वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक क्यों नहीं पहुंच पा रहा है?

पांच वर्षों के खर्च का विशेष ऑडिट कराने की मांगः मेट्रो रेज की टीम ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से पूरे मामले में हस्तक्षेप करने और पंचायतों में पिछले पांच वर्षों के दौरान खर्च की गई विकास राशि का विशेष ऑडिट कराने की मांग उठाने की बात कही है।

टीम ने मांग की है कि पंचायतवार योजनाओं की जांच कराई जाए, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाए और सरकारी राशि के खर्च का ब्योरा सार्वजनिक किया जाए।

निरीक्षण के दौरान टीम ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पंचायतों में विकास कार्यों को गति देने और कथित अनियमितताओं की जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री के समक्ष मामला उठाया जाएगा। इसके बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट मेट्रो रेज के चीफ एडिटर लाल दिवाकर को भेज दी।

रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि ग्रामीण जनता आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, जबकि पंचायत स्तर से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पंचायतों के विकास के लिए आवंटित सरकारी राशि का वास्तविक लाभ ग्रामीणों को कब मिलेगा? क्या सरकार पिछले पांच वर्षों के कार्यों का निष्पक्ष ऑडिट कराकर कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी या ग्रामीण जनता विकास की प्रतीक्षा ही करती रहेगी

पांच दिन से लापता विवाहिता का नहीं मिला सुराग, परिजन परेशान

मुंबई में मजदूरी कर रहे पति को मिली सूचना, ससुर ने हुसैनाबाद थाने में दिया आवेदन

मेट्रोरेज संवाददाता



हुसैनाबाद, पलामू : हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अलीमदद गांव से एक विवाहिता के रहस्यमय तरीके से लापता होने का मामला सामने आया है। घर से निकली सीमा देवी का पांच दिन बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। उनकी तलाश में परिजन परेशान हैं। मुंबई में मजदूरी कर रहे पति भोला पासवान को पत्नी के लापता होने की सूचना मिलने के बाद परिवार ने पुलिस से उनकी सकुशल बरामदगी की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार, अलीमदद गांव निवासी भोला पासवान की पत्नी सीमा देवी (34) 26 अक्टूबर की दोपहर किसी काम से घर से निकली थीं। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में तलाश करने के बावजूद उनका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला।

सीमा देवी के लापता होने की सूचना मुंबई में मजदूरी कर रहे उनके पति भोला पासवान को दी गई। इसके बाद उनके पिता विश्वनाथ पासवान ने हुसैनाबाद थाना पहुंचकर आवेदन दिया और बहू की सकुशल बरामदगी की मांग की। इस संबंध में हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार ने बताया कि आवेदन के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है। विवाहिता की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। वहीं, परिजन भी अपने स्तर से उनकी खोजबीन में जुटे हैं।

जगुआर एसटीएफ के डीआईजी इंद्रजीत महथा को मिला गृह मंत्री रक्षा पदक

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य और प्रभावी पुलिसिंग के लिए मिला सम्मान, कई जिलों में एसपी रहते हुए बनाई थी अलग पहचान

विनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा के 2009 बैच के अधिकारी और वर्तमान में झारखंड जगुआर एसटीएफ के डीआईजी इंद्रजीत महथा को गृह मंत्री रक्षा पदक से सम्मानित किया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य, प्रभावी पुलिसिंग और कर्तव्यनिष्ठा के लिए उन्हें यह गौरवपूर्ण सम्मान मिला है।

इंद्रजीत महथा ने विभिन्न जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में कार्य करते हुए नक्सलियों के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाए।



पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा), पलामू और सरायकेला-खरसावां जैसे जिलों में उनकी कार्यशैली और उपलब्धियों की विशेष पहचान रही है।

सरायकेला-खरसावां जिले में दो बार पुलिस अधीक्षक के रूप में उनकी पदस्थापना भी उल्लेखनीय रही। नक्सल प्रभावित इलाकों में उनके नेतृत्व में चलाए गए अभियानों से नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिली।

वर्तमान में जगुआर एसटीएफ के डीआईजी के रूप में कार्यरत महथा को मिला यह सम्मान उनकी उत्कृष्ट कार्यप्रणाली और कर्तव्य के प्रति समर्पण का परिचायक है। उनके इस सम्मान को पुलिस विभाग और झारखंड राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

जेटेट परीक्षा केंद्र जा रही महिला पुलिस जवान की सड़क हादसे में मौत

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगरः छतरपुर थाना में तैनात महिला पुलिस जवान बबीता कुमारी की रविवार को सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। वह झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) के एक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा ड्यूटी के लिए जा रही थीं। इसी दौरान छतरपुर थाना क्षेत्र के करमा गांव के पास उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल जवान को अस्पताल ले गई। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। महिला पुलिस जवान की मौत की खबर से पुलिस महकमे में शोक की लहर है।

सोनू चौधरी ने पांडू अंचल के नए पुलिस निरीक्षक का संभाला पदभार

मेदिनीनगरः पांडू अंचल के नवपदस्थापित पुलिस निरीक्षक सोनू चौधरी ने पदभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने रेहला स्थित पुलिस निरीक्षक अंचल कार्यालय में योगदान दिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने अंचल क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और पुलिसिंग को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। सोनू चौधरी ने कहा कि पांडू अंचल को अपराधमुक्त और शांतिपूर्ण बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

लातेहार : 18 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई जेटेट परीक्षा

संजय कुमार यादव

लातेहार: जिले में रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) शुरू हुई। परीक्षा को शांतिपूर्ण और कदाचारमुक्त संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिले में बनाए गए 18 परीक्षा केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है।

परीक्षा के दौरान उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने केंद्रों पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि परीक्षा का संचालन व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से हो सके।



प्रशासन की ओर से विधि-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। अधिकारियों ने परीक्षा से जुड़े सभी कर्मियों को निर्धारित दिशा-निदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

प्रतिभाओं को संवारने वाले जननेता थे यदुवंश सहाय 'यदु बाबू'

पंडित रामदीन पाण्डेय और लक्ष्मण त्रिपाठी की शिक्षा का उठाया था जिम्मा, जरूरतमंदों की मदद के लिए गांव-गांव तक बनाई थी व्यवस्था

हृदयानंद मिश्र

मेदिनीनगर: यदुवंश सहाय 'यदु बाबू' के व्यक्तित्व का मूल्यांकन केवल स्वतंत्रता सेनानी, कांग्रेस नेता, बिहार विधानसभा और संविधान सभा के सदस्य के रूप में करना उनके सामाजिक योगदान को सीमित कर देना होगा। उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि वे समाज में छिपी प्रतिभाओं को पहचानते थे और आर्थिक अभाव के कारण किसी योग्य व्यक्ति की शिक्षा बाधित न हो, इसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी उठाते थे।

इस संबंध में पंडित रामदीन पाण्डेय के पौत्र कमल पाण्डेय ने एक महत्वपूर्ण जानकारी दी। उनके अनुसार, यदुवंश सहाय ने पंडित रामदीन पाण्डेय को अपने घर में रखकर उनकी शिक्षा की व्यवस्था की थी। उन्होंने उनका नामांकन पलामू जिला स्कूल में कराया और पढ़ाई में सहयोग दिया। इसी प्रकार पलामू के सुप्रसिद्ध अधिवक्ता एवं पूर्व सरकारी अधिवक्ता लक्ष्मण त्रिपाठी को भी यदु बाबू ने अपने घर में रखकर शिक्षा प्राप्त करने का अवसर दिया। उनका नामांकन भी जिला स्कूल में कराया गया।

यह प्रसंग यदु बाबू के व्यक्तित्व के उस पक्ष को सामने लाता है, जिसमें वे केवल जरूरतमंदों की आर्थिक सहायता नहीं करते थे, बल्कि उनकी प्रतिभा और भविष्य संवारने का भी प्रयास करते थे। गांव-गांव तक पहुंचती थी सहायता की व्यवस्थाः पारिवारिक स्मृतियों और कमल पाण्डेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, यदु बाबू ने स्वयंसेवकों के माध्यम से गांवों में सामाजिक सहायता की एक व्यवस्था विकसित कर रखी थी। उनके स्वयंसेवक गांव-गांव जाकर पता लगाते थे कि किस परिवार में कोई अनाथ बच्चा है, कौन-सी विधवा आर्थिक संकट से जूझ रही है, कौन-सा प्रतिभाशाली विद्यार्थी अभाव के कारण पढ़ाई छोड़ने को विवश है और किस परिवार को तत्काल सहायता की जरूरत है।

यदु बाबू का उद्देश्य केवल आर्थिक मदद देकर औपचारिकता पूरी करना नहीं था। वे जरूरतमंद व्यक्ति की वास्तविक परिस्थिति समझकर यथासंभव ऐसी सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास करते थे, जिससे वह सम्मानपूर्वक अपने पैरों पर खड़ा हो सके।

उनकी दृष्टि में समाजसेवा का अर्थ केवल दान देना नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति को आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर उपलब्ध कराना था।

पंडित रामदीन पाण्डेय को मिला प्रतिभा निखारने का अवसरः पंडित रामदीन पाण्डेय आगे चलकर पलामू के प्रतिष्ठित विद्वान, इतिहासकार और शिक्षाविद् के रूप में स्थापित हुए। उन्होंने 'पलामू का इतिहास' जैसी महत्वपूर्ण कृति लिखकर क्षेत्र के ऐतिहासिक अध्ययन में उल्लेखनीय योगदान दिया। वे रांची कॉलेज में व्याख्याता रहे और बाद में मुजफ्फरपुर के लंगट सिंह कॉलेज में भी अध्यापन एवं शैक्षणिक दायित्वों से जुड़े।



यह उल्लेखनीय है कि जिस व्यक्ति ने आगे चलकर पलामू के इतिहास को लेखन के माध्यम से संरक्षित करने में योगदान दिया, उसकी शिक्षा के शुरूआती दौर में यदुवंश सहाय ने संरक्षण और सहयोग प्रदान किया था।

कमल पाण्डेय के अनुसार, रामदीन पाण्डेय की प्रतिभा पर एक अंग्रेज अधिकारी की भी नजर पड़ी थी। उस अधिकारी ने यदुवंश सहाय से संपर्क कर उनकी शिक्षा और भविष्य को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई। यदु बाबू ने भी इस दिशा में आवश्यक पहल की।

इस प्रसंग का विशेष महत्व इसलिए है कि यदुवंश सहाय एक ओर औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय थे, वहीं दूसरी ओर शिक्षा और प्रतिभा के मामले में व्यावहारिक दृष्टिकोण रखते थे। उनके लिए किसी प्रतिभाशाली बच्चे का भविष्य संवारना एक महत्वपूर्ण मानवीय दायित्व था।

लक्ष्मण त्रिपाठी ने विधि जगत में बनाई पहचानः इसी प्रकार लक्ष्मण त्रिपाठी का प्रसंग भी महत्वपूर्ण है। यदु बाबू ने उन्हें अपने घर में रखकर पढ़ाई का अवसर दिया और पलामू जिला स्कूल में उनका नामांकन कराया। आगे चलकर वे पलामू के प्रतिष्ठित अधिवक्ता बने और सरकारी अधिवक्ता के रूप में भी सेवाएं दीं।

इस प्रकार यदुवंश सहाय के संरक्षण में शिक्षा प्राप्त करने वाले इन दोनों व्यक्तियों ने आगे चलकर पलामू के बौद्धिक, शैक्षणिक और विधिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि दोनों के शैक्षणिक जीवन में यदु बाबू की भूमिका का विवरण कमल पाण्डेय से प्राप्त मौखिक जानकारी और पारिवारिक स्मृतियों पर आधारित है। जिला स्कूल के पुराने नामांकन रजिस्टर और अन्य अभिलेखों से इसकी पुष्टि भविष्य के शोध का महत्वपूर्ण विषय हो सकती है।

शिक्षा और सामाजिक न्याय को मानते थे बदलाव का आधारः यदुवंश सहाय के इस योगदान को उनके राजनीतिक और संवैधानिक विचारों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। वे समझते थे कि राजनीतिक स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी, जब समाज के अंतिम व्यक्ति को शिक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

संविधान सभा में भी उन्होंने आर्थिक लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, गरीबों की स्थिति और वंचित वर्गों के अधिकारों से जुड़े विषयों पर विचार व्यक्त किए। उनके निजी जीवन में गरीब और प्रतिभाशाली बच्चों की शिक्षा का दायित्व उठाना इन्हीं विचारों का व्यावहारिक रूप था।

उनकी सोच थी कि किसी बच्चे का अनाथ होना, किसी परिवार का निर्धन होना अथवा किसी विद्यार्थी के पास संसाधनों का अभाव होना उसकी प्रतिभा के विकास में बाधा नहीं बनना चाहिए।

इतिहास के लिए महत्वपूर्ण मौखिक साक्ष्यः इस प्रसंग की जानकारी पंडित रामदीन पाण्डेय के पौत्र कमल पाण्डेय ने व्यक्तिगत संवाद में दी है। इसलिए इसे ऐतिहासिक लेखन में मौखिक साक्ष्य के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए। इसकी पुष्टि के लिए पलामू जिला स्कूल के पुराने नामांकन रजिस्टर, रामदीन पाण्डेय के निजी दस्तावेजों और परिवार के अन्य सदस्यों की गवाही महत्वपूर्ण होगी।

यदुवंश सहाय 'यदु बाबू' की महानता केवल इस बात में नहीं थी कि उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में संघर्ष किया, जेल गए और संविधान सभा में देश के भविष्य को आकार देने में योगदान दिया। उनकी महानता इस बात में भी थी कि उन्होंने ऐसी प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो आर्थिक अभाव के कारण शायद अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच पातीं।

पंडित रामदीन पाण्डेय और लक्ष्मण त्रिपाठी के प्रसंग उनके इसी मानवीय व्यक्तित्व को समझने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। एक ओर वे अंग्रेजी शासन के विरुद्ध जनता को संगठित कर रहे थे, तो दूसरी ओर अनाथों, विधवाओं और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए व्यवस्था कर रहे थे।

वे केवल स्वतंत्रता सेनानी और जननेता नहीं थे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य संवारने वाले समाज निमार्ता भी थे।